जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 19 अक्टूबर, 2025

गोल्ड ₹14000/Gram
कोठी ₹4700/Sq Ft
फ्लैट ₹4000/Sq Ft

इस दिवाली...

सोने से सस्ती कोठी
सोने से ज्यादा रफ्तार से बढ़ते प्राइस

पजेशन पर ₹10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

FIXED PRICE GUARANTEED

72 दिनों में हैंडओवर शुरु

NO MIDDLE-MEN

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

विचार बिन्दु

बुद्धि से विचार कर किए गए कर्म ही सफल होते हैं। –महाभारत

युक्तियुक्त उपवास एक अद्रव्य औषधि है

आयुर्वेद की दृष्टि से लंघन, उपवास, अपतर्पण आदि पर विस्तृत वैज्ञानिक विश्लेषण उपलब्ध है।तथापि, भोजन के समय और आवृत्ति पर निष्कर्ष सूत्र दिये जाना आवश्यक है। पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्य अग्निवेश को सर्वश्रेष्ठ द्रव्यों, भावों और क्रियाओं को समझाते हुये भोजन के सन्दर्भ में कुछ रोचक सूत्र बताते हैं (च.सू.25.40): एकाशनभोजनं सुखपरिणामकराणां श्रेष्ठम्। तात्पर्य यह है कि 24 घंटे में केवल एक बार भोजन तत्समय में सुख देने में श्रेष्ठ है क्योंकि यह सुखपूर्वक पच जाता है। कालभोजनमारोग्यकराणां श्रेष्ठम्। तात्पर्य यह है कि नियत समय पर भोजन आरोग्य देने वालों में श्रेष्ठ है। ध्यान दीजिये आयुर्वेद में भोजन के दो काल बताये गये हैं, न कि दिन भर कुछ न कुछ खाते रहना। शारीरिक श्रम, न कि बौद्धिक श्रम, करने वाले ही तीन बार भोजन ले सकते हैं। पुनर्वसु आत्रेय ने एक अन्य संदर्भ में निर्दिष्ट किया है कि विषम भोजन से उत्पन्न तमाम अति-कष्टकारी रोगों को देखते हुये बुद्धिमान व्यक्ति को अपनी इन्द्रियों पर काबू पाकर हिताशी, मिताशी और कालभोजी होना चाहिये (च.नि.6.11): हिताशीस्यान्मिताशीस्यात्कालभोजीजितेन्द्रियः। पश्यन्रोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात्।। तात्पर्य यह है कि हितकर द्रव्यों का आहार करने वाला, अपनी पाचन-शक्ति को देखते हुये मिताहार या नपा-तुला भोजन करने वाला और समय पर भोजन करने वाला होना चाहिये।

लेकिन उपवास के सन्दर्भ में इस बात पर भी ध्यान देना आवश्यक है कि अति उपवास दुर्बल करता है (च.सू.21.10-11): सेवा रूक्षान्नपानानां लङ्घनं प्रमिताशनम्। क्रियातियोगः शोकश्च वेगनिद्राविनिग्रहः।। रूक्षस्योद्वर्तनं स्नानस्याभ्यासः प्रकृतिर्जरा। विकारानुशयः क्रोधः कुर्वन्त्यतिकृशं नरम्।। तात्पर्य यह है कि रूखा-सूखा व मात्रा से कम खाना और अति उपवास करना, शोधन क्रियाओं की अति, शोक, वेगों व नींद को रोकना, शरीर के रुक्ष रहने पर रुक्ष उबटन व नित्य रुक्ष स्नान, स्वाभाविक कमजोर गुणसूत्र, वृद्धावस्था, रोगों का लग जाना, और गुस्सा इंसान को कमजोर कर देते हैं। बहुत अधिक उपवास वात को प्रकुपित करवात व्याधियोंको जन्म देता है।

उपवास के सन्दर्भ मेंयजुर्विद संहिता की कुछ महत्वपूर्ण बातें निम्नानुसार हैं: (1) दोषान्निहन्तिबलमिन्द्रियाणाम्पाच्यंशरीरं स मनोविवृद्धिः। दीर्घायुषेहितकरं सदा वा शान्तिः सदा व्रतमिदंप्रदत्तम्।। उपवास से दोष साम्य होता है, इन्द्रियों की शक्ति बढ़ती है, और शरीर का पाचन तंत्र सुधरता है। यह दीर्घायु के लिए लाभकारी है और मानसिक शांति प्रदान करता है। उपवास के वैज्ञानिक लाभ भी हैं। व्रत से शरीर की पाचन शक्ति बढ़ती है, रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है, और दीर्घायु की संभावना बढ़ती है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से व्रत मन की शांति प्रदान करता है और दीर्घकालीन शारीरिक व मानसिक संतुलन देता है। (2) मितं च पथ्यं लघु भोजनंवासमयेनसर्वंनियमं च सेवेत्। आहाररूचिंनियतांविधायशरीरमस्यबलवान्भवेत्सः।। व्रत के दौरान हल्का और संतुलित भोजन करना चाहिए। उचित समय पर भोजन करना आवश्यक है, जिससे शरीर की शक्ति बढ़ती है। व्रत के समय सावधानी रखना बहुत जरूरी है। भोजन हल्का, संतुलित और मात्रा में कम होना चाहिए। गलत तरीके से भोजन लेने से शरीर कमजोर हो सकता है। इसलिए व्रत में समय और नियम का पालन करते हुए भोजन करना चाहिए। (3) शाकंफलाद्यं लघु पाचनं तत्तैलेनदूष्यं न हिसेवनीयम्। पथ्यं च सर्वंविधिनाऽश्नुवीतदोषाः प्रशान्ताःभवतिस्थिरत्वे।। व्रत के दौरान हल्का और सुपाच्य भोजन, जैसे साग, फल आदि लेना चाहिए। तैलीय भोजन से बचना चाहिए। पथ्य आहार लेने से दोष शांत होते हैं और संतुलन में स्थिर रहते हैं। (4) संयम्यकायंमनसश्चयोगंसमयं च सर्वंविधिनाऽनुवर्त्य। पथ्यंयथायोग्यविधिं च सेवन्आरोग्यमार्गे सदा व्रतम् तत्।।व्रत के दौरान शरीर और मन को संयम में रखना चाहिए। उचित समय पर नियम का पालन करते हुए यथायोग्य पथ्य आहार लेना चाहिए। यह व्रत सदैव स्वास्थ्य के मार्ग पर ले जाता है। (5) व्रतेसमाप्तेनियमंविधायपेयाहि पथ्या प्रथमंप्रदिष्टा।लघ्वीपचन्तीतनुभूतिकारीशरीरवृद्ध्यैसुकृतिःप्रयुक्ता।। व्रत समाप्त होने पर सबसे पहले पेया (हल्का पतला भोजन) लिया जाता है। यह सुपाच्य होता है और शरीर की शक्ति को पुनः स्थापित करता है। (6) पेयान्नतः स्निग्धमथार्तवश्चिवलेपिकामन्दपचायसाध्यम्। लघ्वी च पथ्या हितकारिका या शरीरवृद्ध्यैप्रददातुशीघ्रम्।। पेया के बाद, थोड़ा गाढ़ा विलेपी लेना चाहिए, जो धीरे-धीरे पचने वाला और शरीर की सेहत को बनाए रखने में सहायक होता है। (7) यवागुमन्दंपरिपाच्ययुक्ताकृताऽकृतंस्निग्धमपिप्रदिष्टम्। विधाययुक्तं लघु पाचनं तत् दोषान्प्रशान्तंमनसोविवृद्धिम्।। इसके बाद बिना मसाले वाली यवागू (जौ की खिचडी) और हल्के मसालों के साथ यवागू लेनी चाहिए। यह पाचन के लिए अनुकूल होती है और मन को भी शक्ति प्रदान करती है।

आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार भोजन में पोषकतत्वों के विविध प्रकार और मात्रा तथा कैलोरी की मात्रा को जीवन के विभिन्न चरणों में समुचित आहार सुनिश्चित करने के लिये मानकों के रूप में उपयोग किया जाता है। वस्तुतः भोजन की मात्रा और आवृत्ति का संयोजन बुढ़ापे की ओर बढ़ने और बुढ़ापा-जन्य बीमारियों की शुरुआत को प्रबंधित करने हेतु एक शक्तिशाली उपाय के रूप में उभरा है। कितना और कब खाने का विषय तो महत्वपूर्ण है ही, इसके साथ ही उपवास की अवधि व आवृत्ति, और उपवास के दौरान लिये जाने वाले भोजन में कैलोरी में कमी भी स्वास्थ्य-लाभ की उत्तम रणनीति हो सकती है। इन लाभों को प्रदान करने वाली अंतर्निहित शारीरिक प्रक्रियाओं में मुख्यतया चयापचय हेतु ईंधन स्त्रोतों अर्थात भोजन में बदलाव, शरीर के टूट-फूट मरम्मत तंत्र की सार-संभाल और उन्नयन, तथा कोशिकीय और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये ऊर्जा-उपयोग का समुचित संयोजन हैं। आयुर्वेद की दृष्टि में युक्तिपूर्वक उपवास स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और बीमार व्यक्ति के विकारों का प्रशमन, दोनों में ही लाभकारी है। आयुर्वेद और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण में समानता होते हुये एक मूल अंतर यह है आयुर्वेद में भोजन निर्धारण के कारक अधिक विस्तृत, बहुकोणीय और व्यापक हैं। इस पर अनेक खण्डों में लम्बी चर्चा होगी। आज का विश्लेषण मूलतः इन प्रश्नों पर केन्द्रित है कि 24 घंटों में भोजन कितनी बार लिया जाये और अच्छे स्वास्थ्य के लिये उपवास का महत्त्व क्या है? इन प्रश्नों का उत्तर आयुर्वेद, आधुनिक वैज्ञानिक शोध और अनुभव के आधार पर एकीकृत दृष्टिकोण से दिया जायेगा।

> **एक स्वस्थ व्यक्ति के लिये दिन में केवल दो बार किन्तु प्रतिदिन नियत समय पर भोजन करना ही सर्वोत्तम है। पूर्वान्ह में नाश्ते को भोजन की तरह लें और फिर कार्यालय या काम से लौटते ही लगी भूख में दूसरा भोजन लें। भोजन के बाद कुछ अनुपान ले सकते हैं, परन्तु दिन भर कुछ न कुछ खाते रहना या चाय पीते रहना अग्नि, स्वास्थ्य, और आरोग्य को नष्ट कर देता है।**

समकालीन वैज्ञानिक शोध वस्तुतः भोजन की मात्रा (ऊर्जा या कैलोरी के सेवन के नियंत्रण द्वारा) और भोजन की आवृत्ति (भोजन और उपवास के समय के नियंत्रण द्वारा) में बदलाव के माध्यम से कार्डियोवैस्कुलर बीमारी, मधुमेह, कैंसर, और डिमेंशिया सहित उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने या विलम्ब करने पर केन्द्रित है। इन अध्ययनों से ज्ञात होता है कि हेल्थ-स्पान या रोग-रहित जीवन काल और जीवन-काल में विस्तार उन उपायों से प्राप्त किया जा सकता है जिनमें कुल कैलोरी सेवन में कमी की आवश्यकता हो भी सकती है और नहीं भी। किन्तु आयुर्वेद की दृष्टि में देखें तो केवल दीर्घायु नहीं बल्कि हितायु और सुखायु सम्हालना आवश्यक है। यही कारण है कि आयुर्वेद की दृष्टि में केवल ऊर्जा या कैलोरी के सेवन पर नियंत्रण और भोजन व उपवास के समय के नियंत्रण के भरोसे दीर्घायु, हितायु और सुखायु नहीं प्राप्त हो सकते। भोजन में केवल कैलोरी गिनने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं है।

आइये, आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उपवास पर विचार करते हैं (देखें, साइंस, 2018, 362:770-775)। पहले हम कैलोरी-रेस्ट्रिक्शन से प्राप्त मॉलिक्यूलर और चयापचय परिवर्तनों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिसमें कैलोरी की मात्रा और उपवास अवधि भी शामिल है। कैलोरी-रेस्ट्रिक्शन अध्ययनों के निष्कर्ष स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि कैलोरी सेवन में कमी मनुष्यों में वृद्धावस्था के दौरान स्वास्थ्य में सुधार और बीमारी को रोकने के लिए एक प्रभावी हस्तक्षेप हो सकती है। लेकिन दुनिया के सर्वोत्कृष्ट जर्नल में प्रकाशित शोध-विश्लेषण अभी भी इस विषय में एक मत नहीं है।

दूसरा, जहाँ तक टाइम-रेस्ट्रिक्टेड फीडिंग (कुल कैलोरी सेवन में कमी लाये बिना, भोजन-सेवन के समय को 4 से 12 घंटों तक की दैनिक सीमाओं में बांधना) का प्रश्न है,अभी भी शोध निष्कर्ष अंतिम पड़ाव पर नहीं पहुंचे हैं। फिर भी टाइम-रेस्ट्रिक्टेड फीडिंग शरीर के वजन में कमी, ऊर्जा व्यय में वृद्धि, बेहतर ग्लाइसेमिक नियंत्रण और कम इंसुलिन के स्तर, हेपेटिक वसा में कमी, हाइपरलिपिडेमिया में कमी और इन्फ्लेमेशनमें कमी आदि का लाभ देकर बिगड़े हुये समकालीन पाश्चात्य आहार (खूब वसा और खूब कार्बोहाइड्रेट, और परिष्कृत शर्करा) के कई हानिकारक चयापचय परिणामों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान कर सकता है। चयापचयी-स्वास्थ्य पर परिवर्तित भोजन-काल के प्रभाव की मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म क्या हो सकती है? दरअसल यह लाभ, 24 घंटे के दौरान उपवास और भोजन के समय और सर्केडियन रिदम के बीच सिंक्रनाइज़ेशन, तालमेल या लयबद्धता के कारण से होना माना जाता है।

तीसरा, जहाँ तक आवृत्तिक या बीच बीच में उपवास या इंटरमिटेंट-फास्टिंग का प्रश्न है कई अल्पावधि क्लिनिकल ट्रायल्स से ज्ञात होता है कि बीच-बीच के दिनों में उपवास वजन घटाने और कार्डियोमेटाबोलिक स्वास्थ्य के मामले में कैलोरी-रेस्ट्रिक्शन के समान ही लाभ प्रदान कर सकता है। इनमें शरीर के वजन में कमी और बेहतर लिपिड प्रोफाइल, कम रक्तचाप, और इंसुलिन संवेदनशीलता में वृद्धि शामिल हैं।

और अंत में चौथा, फास्टिंग-मिमिकिंग डाइट या उपवास की तरह लगने वालेभोजन का प्रश्न है, यह उपवास के दौरान भोजन से पूर्ण वंचित होने की बजाय कम कार्बोहाइड्रेट औरउच्च वसा वाले आहार की रणनीति है। पांच दिन तक उपवास-जैसा-भोजन कैंसर, डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज जैसे अनेक पचड़ों के संकेतकों को सामान्य करता है। साथ ही इसका एंटी-एजिंग प्रभाव भी देखा गया है। इस प्रकार का उपवास प्रोटीन काइनेज ए और एमटीओआर मार्गों के रेगुलेशन के माध्यम से चूहों में इंसुलिन स्त्राव और ग्लूकोज होमियोस्टेसिस को बहाल करके अग्नाशयी बीटा कोशिकाओं के पुनर्जनन को बढ़ावा देने, इंसुलिन स्त्राव और ग्लूकोज होमियोस्टेसिस को बहाल करके एंटीडाइबेटिक प्रभाव डालता है। इसके साथ ही यह प्रतिरक्षा प्रणाली के रेगुलेशन के माध्यम से ऑटोम्यून्यून बीमारियों के नियंत्रण में मदद करता है। हालांकि इसकी मदद से आयु में वृद्धि के प्रमाण नहीं मिले और जब बहुत बूढ़ेचूहों को इस प्रकार की खुराक दी गयी तो उनमें यह हानिकारक पाया गया।

निष्कर्ष यह है कि एक स्वस्थ व्यक्ति के लिये दिन में केवल दो बार किन्तु प्रतिदिन नियत समय पर भोजन करना ही सर्वोत्तम है। पूर्वान्ह में नाश्ते को भोजन की तरह लें और फिर कार्यालय या काम से लौटते ही लगी भूख में दूसरा भोजन लें। भोजन के बाद कुछ अनुपान ले सकते हैं, परन्तु दिन भर कुछ न कुछ खाते रहना या चाय पीते रहना अग्नि, स्वास्थ्य, और आरोग्य को नष्ट कर देता है। यदि आप उपवास रखना चाहते हैं तो अति न करें। अच्छा होगा कि सप्ताह या 15 दिन में कोई एक दिन तय करके पूरी तरह उपवास रखें। उपवास टूटते ही भोजन पर न टूट पड़ें। उपवास और उसके बाद वाले दिन को संसर्जन क्रम में बाँटते हुये लघु पेय से प्रारंभ कर गुरु पेय और खाद्य पदार्थ देते हुये एक समयावधि में अग्नि सम करते हुये नियमित भोजन तक आयें। यह युक्ति, संसर्जन का छोटा रूप है। पूरे दिन सही-सही उपवास रखने से मंद जठराग्नि को क्रमशः समत्व तक लाना आवश्यक है। सीधा नियमित गरिष्ठ भोजन ले लेने से मन्दाग्नि और आमाशय-क्षोभ के कारण ऐसा आहार पच नहीं पाता। इससे अजीर्ण और आम बनना और रोगजनन प्रारंभ हो जाता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

दिवाली अमावस को ही क्यों मनाई जाती है दीपावली मनाई जाने के पीछे धार्मिक, सामाजिक, वैज्ञानिक मान्यता

डॉ .जे.के.गर्ग

माना जाता है कि कार्तिक महीने की अमावस्या को देवताओं द्वारा समुद्र मंथन के समय देवी लक्ष्मी क्षीर सागर से ब्रह्माण्ड में अवतरित हुई थी। इसी वजह से कार्तिक महीने की अमावस्या को माता लक्ष्मी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिवाली के त्यौहार के रूप में मनाना शुरू किया था भगवान। कृष्ण ने कार्तिक महीने की चतुर्दशी को नरकासुर को मार कर समस्त महिलाओं को मुक्तकरवा के उनकी जान बचाई थी इसलिए दीपावली से एक दिनपूर्व चतुर्दशी को इस घटना को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। महाभारत के अनुसार 12 वर्ष के निष्कासन एवं एक वर्ष के अज्ञातवास के बाद कार्तिक महीने की अमावस्या को पांडव राज्य में सकुशल लौटे थे। पांडवों के वापस लौटने से वहां के लोग बहुत खुश थे, उन्होंने मिट्टी के दीपक जलाकर और पटाखे जलाकर पांडवों के लौटने दिन को मनाना शुरू कर दिया। बहुत समय पहले एक राक्षस था जिसने लड़ाई में सभी देवताओं को पराजित किया और सारी पृथ्वी और स्वर्गको अपने अधिकार में ले लिया। तब माँ काली ने देवताओं, स्वर्ग और पृथ्वी को बचाने के उद्देश्य से देवी दुर्गा के मष्तिष्क से जन्म लिया था। राक्षसों की हत्या के बाद उन्होंने अपना नियंत्रण खो दिया और जो भी उनके सामने आया उन्होंने हर किसी की हत्या करनी शुरू कर दी। भगवान शिव ने माता काली के चरणों में लेट गये जिससे उनका क्रोध शांत हुआ। बंगाल-उडीसा में उस पल को यादगार बनाने के लिए उसी समय से ही दिवाली पर देवी काली की पूजा करके मनाया जाता है। सोने की लंका के स्वामी रावण का वध करने के बाद अयोध्या वापस लोटें तो वहां के नर-नारीयों ने समूचे राज्य को दीपों की रोशनी से जगमगा दिया और राम सीता लक्ष्मण के आगमन पर खुशी प्रकट करने हेतु आतिशबाजी कर पटाखे जलाये, तभी से भारत भूखंड में कार्तिक मास की अमावस्या को दिवाली मनाई जाती है। राजा विक्रमादित्य का राज्याभिषेक भी कार्तिक अमावस्या को हुआ था तबसे लोगों ने दिवाली को ऐतिहासिक पर्व के रुप से मनाना शुरु कर दिया था। बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध के अनुयायियों ने आज के लगभग2500 वर्ष पूर्व गौतम बुद्ध के स्वागत में ने दीप जलाकर दीपावली मनाई थी। जैन धर्म को मानने वालों के मुताबिक कल्पसूत्र के अंदर बताया गया है कि महावीर के निर्वाण के साथ जो अंतरज्योति सदा के लिए बुझ गई है।

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की स्थापना भी वर्ष 1577 में दीवाली के मौके पर की गयी थी। तीसरे गुरु अमरदास जी ने दिवाली को लाल-पत्र दिन के पारंपरिक रुप में बदल दिया जिस पर सभी सिख अपने गुरुजनों का आशीर्वाद पाने के लिये एक साथ मिलते है। सिख धर्म में इस दिन को बंदी छोड दिवस के रुप में जाना जाता है महर्षि दयानंद ने वर्ष 1875 में आर्य समाज की स्थापना की थी । महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती ने कार्तिक मास की अमावस्या के दिन अजमेर में निर्वाण प्राप्त किया। उसी दिन से इस दिन को दिवाली के रूप में मनाया जा रहा है। मारवाडी कार्तिक की कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन पर दिवाली पर अपने नए साल का उत्सव मनाते हैं एवं नये बही खाते प्रारम्भ करते हैं। गुजराती भी कार्तिक के महीने में शुक्ल पक्ष के पहले दिन दीवाली के एक दिन बाद अपने नए साल का उत्सव मनाते है।

दिवाली शुरुआत में फसलों की कटाई के उत्सव के रुप में मनाई जाती थी। यह वह समय है जब भारत में किसान फसल काटकर संपत्ति और समृद्धि की देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं और उन्हें नई फसल में से उनका हिस्सा समर्पित करते हैं। दीपावली के दौरान आतिशबाजी करने और पटाखें जलाने पीछे वैज्ञानिक आधार है। इसका मुख्य उद्देश्य मोसम परिवर्तन से उत्पन्न कीट कीड़े विशेष तया मच्छर से होने वाली जान लेवा खतरों का मुकाबला करना है, जो गीले से सर्दियों के मौसम में इन खतरनाक कीटों परजीवियों के लिए प्रजनन स्थल के रूप में कामकरता है।

दीयों को जलाने और उनसे रोशनी करने के पीछे विज्ञान है। जब हम घी या तेल का दिया जलाते हैं तो तेल या घी में मौजूद फैटी एसिड जलते हैं। इस प्रक्रिया में फैटी एसिड का एक अणु जलने से 56 कार्बन के अणु निकलते हैं और 52 पानी के अणु निकलते हैं।

माता लक्ष्मी की स्थाई कृपा प्राप्त करने का अचूक इलाज

दीपावली के पावन पर्व सौभाग्य धन, सम्पन्नता, सुख, खुशी की कामना रखने वाले सभी व्यक्ति माता लक्ष्मी जी पूजा अर्चना और आराधना श्रद्धा के साथ करते हैं। साधारणतया हम अपने-अपने घरों की बाहरी सफाई करते हैं रंग-रोशन भी करवाते हैं, घरों को सजाते भी हैं। हम दीपावली पर अपने आप से सवाल पूछें क्या हमारा दिल सभी अवगुणों यानी क्रोध, ईर्ष्या, लोभ, लालच, असीमित इच्छा, घृणा, राग-द्वेष छल-कपट से मुक्त है? अधिकांश लोगों की अंतरात्मा से यही आवाज आयेगी-नहीं-नहीं । क्योंकि कमोपेश इनमें बहुत से दुर्गुण हमारें दिलों में मोजूद हैं । याद रखिये जब तक हम अपनी आत्मा एवं दिल को इन दुर्गुणों से मुक्त नहीं करंगे माँ मोक्ष लक्ष्मी हमारे घर मे प्रवेश नहीं करेगी। यह मान कर चले जिस दिन हमने अपनी आत्मा और दिल को इन दुर्गुणों से मुक्त कर लिया उसी क्षण से माँ मोक्ष लक्ष्मी आप के घर में सदेव के लिए निवास करेंगी ओर आपका घर परिवार हमेशा धन सम्पदा खुशियों के हजारो दीपों से रोशन होगा। माँ लक्ष्मी उन्हें पसंद करती है जो रचनात्मक सोच रखते है, जिनके पास एक कार्य योजना है, सब के सहयोग से काम करते हैं, सभी की मदद करते है, खुद खुश रहते हैं और अन्य को भी खुशी देते हैं, अच्छे काम और दूसरे की भलाई के लिए प्रयास करते हैं । गरीबों की मदद करते हैं, किसी भी उपेक्षा ओर अपमान नहीं करते हैं और ना ही किसी से कोई अपेक्षा रखते हैं और जीवन में हुए हर परिवर्तन को दिल से स्वीकार करते है। किसी भी उपेक्षा ओर अपमान नहीं करतें हैं, सच सुनते हैं, सच बोलते हैं तथा हमेशा मीठी वाणी बोलते हैं, सही काम करते हैं एवं किसी के लिए बुरा नहीं करते हैं और जीवन मे आई मुसीबतों का हिम्मत के साथ मुकाबला करते है तथा निष्काम भाव से सात्विक कर्म करते हुए उनको प्रभु को अर्पण कर देते।

याद रखे सच्चा सुख केवल सत्य से ही मिलता है, यह भी संभव है की इस प्रक्रिया मे आपको दुःख का भी सामना करना पडे । यह भी सत्य है कि जहां पर बुद्धीजीवी का अपमान होता है उस स्थान पर लक्ष्मीजी निवास नहीं करती है । माता लक्ष्मी वहीं निवास करती है जहाँ गरीबों की मदद करने ओर उनकी सेवा करने की भावना होती है, जहाँ मूर्खो और पाखंडियों को सम्मानित नहीं किया जाता है, जहाँ लोगों जरुरतमंद स्त्री-पुरूषों को कभी खाली हाथ नहीं लोटाया जाता है, जहाँ बच्चों को भगवान के तुल्य मान कर उन्हें प्यार दिया जाता है, जहां पारिवरिक-क्लेश नहीं होते है और जहाँ पति-पत्नी दो शरीर एवं एक आत्मा के रूप में रहते हैं।

निसंदेह लक्ष्मी जी वहां कभी नहीं जाती जहां पर गंदगी होगी ओर लोग आलसी-कामचोर, घमंडी, क्रोधी होंगे एवं जहाँ पर महिलाओं-बच्चो का सम्मान नहीं होगा। माँ लक्ष्मी उनसे भी नाराज होती हैं जो शंकालु, परिवर्तन से डरने वाले, डर में ही जीने वाले, डरपोक एवं जो सिर्फ अपने लिए ही धन इकट्ठा करने वाले होते हैं

धर्म शास्त्रों में उल्लेखित मान्यता निर्विवाद और सही हे, किन्तु आज के माहौल को देख आत्मा स्वयं से सवाल करती है और तर्क-वितर्क भी करती है क्यों माता लक्ष्मी आज धन-संपदा से ईमानदारों, बुद्धीजीवियों, सत्यवानदीयों और कानून में विश्वास रखने वालों के बजाय भ्रष्टाचार अनाचार मे लिप्त, सजायाप्ता स्त्री-पुरुष, जनसाधारण का शोषण करने वाले लोगों को उपकृत करती दिखाई दे रही है, क्यों समाज के कंटक, गुंडे लोग ऐशोआराम की जिंदगी जी रहें हैं? क्यों बुद्धीजीवीयों को अनपढ़ों के आदेश मानने पड़ रहे हैं? क्यों सत्यवादी आदमीयों के लिये अपनी न्यूनतम जरूरतों को पूरा करने के लिये भी संघर्ष करना पड़ रहा है ? क्यों जुमलेबाज लोगों को मूर्ख बना कर अपना हित साध पाने में सफल हो रहे हैं? सच्चाई तो यही है कि परमात्मा के न्याय में देरी तो हो सकती है किन्तु देर-सबेर न्याय जरूर मिलता है । प्रभु ईसामसीह कहते थे कि सुई की नोक के अंदर ऊँट तो भले ही प्रवेश कर सकता है किन्तु गलत तरीकों से धन कमाने वाला व्यक्ति कभी भी स्वर्ग में प्रवेश नहीं कर सकता है उनको तो माया लक्ष्मी भ्रमित करती है मोक्ष दायनी माँ लक्ष्मी उनसे कोसो दूर रहती है और ऐसे धनिक मनुष्य को जीवन के किसी पड़ाव पर असाध्य रोगों बीमारियों से और अनचाही तकलीफों के शिकार होते हैं उनके परिजन धन की अधितकता की वजह से पथ भ्रष्ट होकर नारकीय जीवन जीते हैं। माने या नही माने ऐसे आदमियों के परिजन परिवार की प्रतिष्ठता को कलंकित करते है । गुरु नानक देव जि ने बतलाया था कि नेकी की कमाई ही सच्चा सुख सम्पनता प्रदान करती है ।

-डॉ .जे.के.गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज,
शिक्षा जयपुर

दीपोत्सव का शुभारंभ

भुसावर भरतपुर (निस)। भुसावर पांच दिवसीय दीपोत्सव का शुभारंभ धनतेरस पर्व के साथ हुआ । जहां भुसावर कस्बे के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय विद्यापीठ पर प्रभारी देवीसिंह के नेतृत्व में डॉ. चन्द्रदेव पाण्डेय एवं डॉ. सोमेन्द्र पाण्डेय के साथ साथ ललिता, गीता, रश्मि, दीपक, कमलेश सोनी एवं ओमप्रकाश मीणा द्वारा भगवान धनवन्तरी का पूजन किया । कस्बा भुसावर के राजेन्द्र औषद्यालय पर कार्यक्रम के आयोजक भारत अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बर्ष भी धनतरेस पर कस्बा भुसावर के राजेन्द्र औषद्यालय पर भगवान धनवन्तरी का विधिवत पूजन किया गया।

नगर कीर्तन का भव्य स्वागत, पाइप बैंड से दी सलामी

बूंदी। हिंद की चादर धन धन श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी दिवस नू समर्पित महान नगर कीर्तन देश भर के विभिन्न राज्यों से होता हुआ बूंदी शहर में प्रवेश किया, सिक्ख समाज के द्वारा 5 जगहों पर स्वागत किया गया,देवपुरा नानकपुरिया चौराहे पर सिक्ख समाज ने नगर कीर्तन का ऐतिहासिक स्वागत किया,जेसीबी से पुष्प वर्षा की गई,पाइप बैंड के द्वारा पालकी साहिब जी को सलामी दी गई,नगर कीर्तन उसके बाद आगे बढ़ता हुआ आनंदी होटल के बाहर ओम एनक्लेव कॉलोनी वालों ने स्वागत किया,देवपुरा गुरुद्वारे के बाहर सिक्ख समाज ने स्वागत किया,अहिंसा सर्किल पर सिक्ख समाज के द्वारा स्वागत किया गया,सिंह सभा गुरुद्वारा के बाहर सिक्ख समाज द्वारा स्वागत किया गया,पूरे शहर भर में विभिन्न संगठनों के द्वारा नगर कीर्तन का स्वागत किया गया,बूंदी अभिभाषक परिषद,बूंदी केमिस्ट संघ, शिक्षक संघ,बूंदी,भाजपा पार्टी द्वारा केएन सिंह चौराहे पर स्वागत किया गया, कांठोस पार्टी के द्वारा कांठोस कार्यालय के बाहर स्वागत किया गया,सिंधी समाज के द्वारा आजाद पार्क के यहां स्वागत किया गया,नगर कीर्तन में पालकी साहिब जी पर संगतों ने सीस निवाकर आशीर्वाद लिया,अंत में नगर कीर्तन गुरुद्वारा लंगर साहिब पहुंचा जहा पर सिक्ख समाज के द्वारा नगर कीर्तन का ऐतिहासिक स्वागत किया गया, यहां से नगर कीर्तन उदयपुर शहर के लिए रवाना हुआ।

दीपोत्सव उत्सव कार्यक्रम आयोजित

बूंदी । दीपावली की खुशियाँ बाँटने और जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाने के उद्देश्य से रोटरी क्लब 14 अक्टूबर से चलाए जा रहे अभियान के तहत धनतेरस के अंतिम दिन दीपोत्सव उत्सव एवं मिठाई वितरण कार्यक्रम शनिवार को रोटरी सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया । प्रोजेक्ट डायरेक्टर हाशम भाई ने बताया कि शहर की विभिन्न क्षेत्र में कार्य करने वाली गरीब और असहाय कामकाजी 50 महिलाओ को फटाके एवं स्वादिष्ट मिठाइयों का वितरण किया गया।

हाईकोर्ट ने पोकरण नगरपालिका का पट्टा निरस्तीकरण आदेश रद्द किया

पोकरण, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर ने पोकरण नगर पालिका द्वारा 26 सितम्बर को जारी 269 पट्टों के निरस्तीकरण आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायालय ने यह आदेश याचिकाकर्ता महेन्द्र सिंह एवं पृथ्वीपाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। मामला न्यायमूर्ति सुनील बेनीवाल की एकलपीठ के समक्ष आया था।

मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रभावी पैरवी अधिवक्ता अशोक कुमार गोदारा (राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर) ने की। उन्होंने न्यायालय के समक्ष यह प्रमुख तर्क रखा कि 26 सितम्बर 2०25 का निरस्तीकरण आदेश सशक्त समिति की अनुशंसा पर आधारित था, जबकि राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 73-बी के अनुसार पट्टे निरस्त करने का अधिकार केवल नगरपालिका बोर्ड को है। समिति को इस प्रकार का कोई वैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं है। गोदारा ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिनियम की धारा 2(42) में की परिभाषा में सशक्त समिति का उल्लेख नहीं है। इसलिए समिति द्वारा दी गई अनुशंसा एवं उस पर आधारित आदेश पूर्णतः अवैध एवं विधि के विपरीत हैं। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश पंवार ने यह स्वीकार किया कि यद्यपि कुछ पट्टों के निर्गमन में अनियमितता के आरोप हैं, फिर भी निरस्तीकरण की प्रक्रिया विधिक रूप से निर्धारित ढंग से ही की जा सकती है। उन्होंने यह भी सहमति दी कि मामला पुनः विचार हेतु नगरपालिका को भेजा जा सकता है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के पश्चात् न्यायालय ने पाया कि सशक्त समिति किसी भी रूप की परिभाषा में नहीं आती है और उसके पास इस प्रकार का निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। इस आधार पर न्यायालय ने 25 सितम्बर की समिति कार्यवाही एवं 26 सितम्बर का पट्टा निरस्तीकरण आदेश दोनों को निरस्त करते हुए, मामला नगरपालिका पोकरण को विधि अनुसार पुनः निर्णय हेतु वापस भेज दिया। अधिवक्ता अशोक कुमार गोदारा ने निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा -यह फैसला स्थापित करता है कि किसी भी व्यक्ति के वैधानिक अधिकार को छीना नहीं जा सकता जब तक कि विधि द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन न किया जाए। सशक्त समिति केवल अनुशंसा दे सकती है, किंतु निर्णय लेने का अधिकार नगरपालिका को ही प्राप्त है। यह आदेश कानून के शासन और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की सुदृढ पुष्टि करता है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश केवल याचिकाकर्ताओं महेन्द्र सिंह एवं पृथ्वीपाल सिंह के प्रकरण तक सीमित रहेगा और अन्य 269 पट्टों पर इसका स्वतः प्रभाव नहीं पडेगा।

राशिफल रविवार 19 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र सायं 5:50 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 2:04 तक, वणिज करण दिन 1:52 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात है। आज सिद्धि योग सायं 5:50 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 1:52 से रात्रि 2:48 तक रहेगी। आज धनवंतरी जयन्ती, नरक और रूप चतुर्दशी निमित्त दीपदान एवं आगामी अरुणोदय काल में प्रभात स्नान और आज मास शिवरात्रि, श्री हनुमान जयन्ती, पदम प्रभु जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:57 से 9:22 तक, लाभ अमृत 9:22 से 12:22 तक, शुभ 1:37 से 3:02 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 5:51

मेष

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आज किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आज परिवार में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष

आज परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर

फरिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज घर-परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है। आज व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कुंभ

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 80 प्रभात अजमेर, रविवार 19 अक्टूबर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'पाकिस्तान एक शांतिप्रिय देश है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहते हुए पाकिस्तान को चेतावनी दे डाली कि ब्रह्मोस मिसाइल की रेंज में पाकिस्तान की एक-एक इंच ज़मीन आ चुकी है। इसके जवाब में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने भी किसी भी उकसावे पर "निर्णायक जवाब" देने की चेतावनी दे दी। इस

- पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष सैयद आसिम मुनीर ने साथ में यह भी कहा कि पाकिस्तान के, विश्व की दो ताकतों, चीन व अमेरिका से मजबूत संबंध हैं।
- "अगर भारत-अफगानिस्तान को उकसाता रहा तो पाकिस्तान करारा जवाब देगा।"

ज़बानी लड़ाई में दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

पाकिस्तान सैन्य अकादमी, काकुल (एबटाबाद) में कैडेट्स की पासिंग आउट परेड में बोलते हुए जनरल मुनीर ने कहा, "मैं भारत के सैन्य नेतृत्व को सलाह, बल्कि सख्त चेतावनी देता हूँ कि परमाणु हथियारों वाले माहौल में युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है।"

उन्होंने कहा, "हम किसी भी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अंततोगत्वा "टाको" ट्रंप अपनी प्रतिष्ठा पर खरे उतरे

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में ट्रंप को टाको बेवजह नहीं कहते। टाको का अर्थ है, "ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट", क्योंकि ट्रंप अपनी धमकियों से पीछे हट जाया करते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। यूक्रेन युद्ध अब अपने अंत के करीब लगता है, हालांकि यह अंत शायद यूक्रेन, यूरोपीय संघ या अमेरिका की शर्तों पर नहीं, बल्कि रूस की शर्तों पर हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी उसी छवि को साकार कर दिया है, जिसे लोग "ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट" या "टाको" कहते हैं। यानि, ट्रंप अपनी धमकियों से हमेशा पीछे हट जाते हैं। वाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यह साफ कर दिया कि अमेरिका यूक्रेन को अमेरिकी निर्मित "टॉमाहॉक मिसाइलें" नहीं देगा।

यूक्रेन के लिए जो ऊँची उम्मीदें बंधी थीं, वे उस समय धराशायी हो गईं जब ट्रंप और ज़ेलेंस्की की द्विपक्षीय बैठक के बाद यह स्पष्ट बयान आया कि अमेरिका द्वारा बनाई गई "टॉमाहॉक" मिसाइलें, यूक्रेन को रूस के खिलाफ उसके लंबी दूरी के हमलों के लिए नहीं दी जाएँगी।

इससे पहले डॉनल्ड ट्रंप ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि वे यूक्रेन को अत्यंत सटीक और विनाशकारी टॉमाहॉक मिसाइलें देंगे ताकि वह रूस के साथ अपनी लंबी दूरी की लड़ाई जारी रख सके। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि अगर रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म नहीं किया, तो अमेरिका समान स्तर पर युद्ध लड़ने के लिए यूक्रेन को "मारक क्षमता" उपलब्ध कराएगा।

असल में, यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइलें मिलने की चर्चा ने रूस के सुरक्षा तंत्र में भय का माहौल पैदा कर दिया था। इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइलें देता है, तो अमेरिका और रूस के रिश्ते बुरी तरह प्रभावित होंगे।

रूस ने यह भी धमकी दी थी कि वह यूक्रेन के खिलाफ अपने सैन्य अभियान और तेज़ करेगा और अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी बाधाएं पैदा करेगा। संकेत थे कि यूरोपीय संघ को भी जवाबी कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा। कुछ मिलाकर, इसका अर्थ यह होता कि अमेरिका को भी सीधे टकराव का सामना करना पड़ेगा।

यह सब सुनने के बाद ट्रंप डर गए और तुरंत अपना रुख बदल लिया।

- वाइट हाउस में ज़ैलेन्स्की से लंबी मुलाकात के बाद ट्रंप ने साफ कह दिया कि टॉमाहॉक मिसाइल यूक्रेन को नहीं दी जायेगी, रूस के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए।
- कल तक ट्रंप दंभपूर्वक कह रहे थे, वे यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइल देंगे, जिससे युद्ध में यूक्रेन, रूस को पानी पिला देगा।
- अगर टॉमाहॉक यूक्रेन को दी गई तो रूस हर मुद्दे पर कमर कस के लड़ेगा।
- चेतावनी का असर हुआ और ट्रंप "चिकन आउट हुए" (पीछे हट गए)।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कांग्रेस 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में राजद और अन्य छोटी पार्टियों के साथ बने महागठबंधन

- तेजस्वी महागठबंधन का चेहरा घोषित।

के तहत 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार, लालू प्रसाद यादव के पुत्र और राजद नेता तेजस्वी यादव गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है, जब शुक्रवार को महागठबंधन की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली के सांसद फ्लैट्स में आग

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। राजधानी दिल्ली में सांसदों को आंवटित नए बहुमंज़िला फ्लैट्स में शुक्रवार दोपहर आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा

- हाल ही में बने इस ब्रह्मपुत्र अपार्टमैंट में कुछ सांसद रह रहे हैं।

ली गई वीडियो में सांसदों के फ्लैट्स वाले ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट्स से घना धुआँ उठता हुआ दिखाई दिया।

फायर विभाग के एक अधिकारी ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बिहार में मुसलमानों का राजनीतिक महत्व क्यों घटता जा रहा है?

प्रदेश में 17.7 प्रतिशत जनसंख्या मुसलमानों की है, इस बार आरजेडी ने तीन मुसलमानों को, जदयू ने चार व कांग्रेस ने भी चार मुसलमानों को टिकट दिया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। बिहार के मुसलमान मतदाताओं के सामने एक गहरी दुविधा खड़ी है - राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में समुदाय राजनीतिक प्रक्रिया से लगभग अलग-थलग हो गया है।

राज्य की कुल जनसंख्या में मुसलमानों की हिस्सेदारी 17.7 प्रतिशत है और 87 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 20 प्रतिशत मतदाता मुस्लिम हैं। उत्तर बिहार के सीमांचल ज़िलों में इनकी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक है। कुछ क्षेत्रों, जैसे किशनगंज में, मुस्लिम आबादी 67 प्रतिशत तक है। इसके बावजूद, मुसलमानों की राजनीतिक प्रासंगिकता में गिरावट जारी है और आने वाले चुनावों में यह अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुँच गई है।

243 सदस्यीय विधानसभा की 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही सत्तारूढ़ जदयू ने केवल चार मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। राजद (आरजेडी) ने अब तक तीन मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि पार्टी की अंतिम सूची अभी जारी नहीं हुई है। एनडीए की अन्य दो सहयोगी पार्टियाँ, जीतन राम मांझी की हम (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन इनमें से किसी ने भी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

कांग्रेस, जो आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रबल समर्थक रही है, ने भी केवल चार मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है (अंतिम सूची आने के बाद इन आँकड़ों में कुछ बदलाव संभव है)। वहीं, भाजपा ने 101 सीटों की अपनी सूची में किसी भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया है।

ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो बिहार के मुसलमान चुनावी रूप से हमेशा कम प्रतिनिधित्व वाले रहे हैं। वर्ष 1985 को छोड़कर कभी भी विधानसभा में मुस्लिम विधायकों की संख्या 10 प्रतिशत से अधिक नहीं रही। वर्ष 1952 से 2020 तक हुए 17 विधानसभा चुनावों में बिहार ने कुल

- सत्तासी सीटों पर मुसलमान मतदाता 20 प्रतिशत हैं। सीमांचल जिलों में तो जनसंख्या 40 प्रतिशत है और कहीं-कहीं तो 67 प्रतिशत है।
- राजनीतिक महत्व कम होने का मुख्य कारण वोटों का विभाजन है।
- वर्ष 2010 व 2015 के चुनावों में मुसलमानों ने वोट जदयू को दिये थे। पर, वर्ष 2020 में जदयू के सभी मुसलमान कैंडिडेट हार गए थे। असदुद्दीन ओवैसी के पाँच उम्मीदवार जीते थे, जिनमें से चार जीतने के बाद आरजेडी में शामिल हो गए।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सिंगर जुबीन की मौत के बारे में गलत सूचना फैलाने वाला युवक गिरफ्तार

असम में युवक द्वारा भ्रामक वीडियो फेसबुक पर अपलोड करने से अशांति भड़कने की आशंका थी।

गुवाहाटी, 18 अक्टूबर। असम के नागांव जिले में पुलिस ने प्रसिद्ध कलाकार ज़ुबीन गर्ग की मौत से संबंधित एक भ्रामक वीडियो बनाने और उसे प्रसारित करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कहा कि फेसबुक पर अपलोड किए गए इस वीडियो से जन अशांति भड़कने की आशंका थी।

नागांव के पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने गिरफ्तारी की पुष्टि की और बताया कि आरोपी की पहचान इंजामुल हक के रूप में हुयी है, जो "एसके अहमद" नाम से फेसबुक पर प्रोफाइल चलाता था। उन्होंने कहा कि लोगों का ध्यान आकर्षित करने और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सनसनीखेज

- युवक ने बताया कि लोगों का ध्यान आकर्षित करने और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सनसनीखेज वीडियो को संपादित और अपलोड किया था।

वीडियो को संपादित और अपलोड किया था।

एसपी ने कहा, "पूछताछ के दौरान हक ने कबूल किया कि उसने जानबूझकर लोगों की भावनाओं को भड़काने और अशांति पैदा करने के लिए वीडियो शेयर किया था।"

पुलिस ने कल असम के नागांव जिले के जुरिया जिले के तेलिया बेबेजिया से युवक को गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में जुरिया थाना में धारा 352 और 353(1)(बी) के तहत एक विकृत वीडियो के माध्यम से सामाजिक अशांति फैलाने के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान हक ने कथित तौर पर वीडियो को संपादित करने की बात कबूल की है।

उल्लेखनीय है कि असम पुलिस बक्सा में हुई हालिया हिंसा के बाद से सोशल मीडिया पर कड़ी नज़र रख रही है और सभी से ऐसी झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने से बचने का आग्रह किया है।

बिहार में झामुमो महागठबंधन से अलग चुनाव लड़ेगी

रांची, 18 अक्टूबर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आज बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से अलग होकर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।

झामुमो बिहार में छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। हालांकि, पार्टी

- झारखंड मुक्ति मोर्चा ने छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

का मानना है कि यह संख्या बढ़ कर 10 भी हो सकती है। पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने आज यहां कहा कि बिहार चुनाव के परिणामों के बाद झामुमो अपनी रणनीति की समीक्षा करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि बिहार में उसकी बिना सरकार न बन सके। भट्टाचार्य ने इस फैसले का कारण बताते हुए कहा कि झामुमो को हमेशा से धोखे का सामना करना पड़ा है।

पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की जद में : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल फ्लैग ऑफ सेरेमनी में पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी

लखनऊ, 18 अक्टूबर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की जद में है। जो भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, वो ब्रह्मोस से क्या कर सकता है, ये बताने की जरूरत नहीं है। बता दें कि रक्षा मंत्री ने ये बात ब्रह्मोस मिसाइल फ्लैग ऑफ सेरेमनी में कही।

राजनाथ सिंह इस दौरान ब्रह्मोस की क्षमता और उसकी विश्वसनीयता पर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब ब्रह्मोस की चर्चा होती है, तो सभी के जहन में विश्वसनीयता का अहसास होता है। ब्रह्मोस सिर्फ मिसाइल नहीं बल्कि भारत की क्षमता का प्रतीक है। यह मिसाइल

- राजनाथ सिंह ने कहा कि जब ब्रह्मोस की चर्चा होती है, तो सभी के जहन में विश्वसनीयता का अहसास होता है। ब्रह्मोस सिर्फ मिसाइल नहीं बल्कि भारत की क्षमता का प्रतीक है। यह मिसाइल भारतीय वायुसेना, नेवी और थल सेना की रीढ़ है।
- राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस ने अपनी ताकत का प्रैक्टिकल करके दिखाया है। हमारे विरोधी अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक ट्रेलर था।

भारतीय वायुसेना, नेवी और थल सेना की रीढ़ है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस ने अपनी ताकत का प्रैक्टिकल करके दिखाया है। हमारे विरोधी अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक ट्रेलर था। बता दें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने ब्रह्मोस की क्षमता का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को सख्त चेतावनी डे डाली। बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइलें न केवल उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) के लिए एक उपलब्धि है, बल्कि इससे रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प को एक नयी ऊर्जा भी मिलेगी। राजनाथ सिंह ने कहा, "मेरी लिए ये अत्यंत गौरव का विषय है आज लखनऊ में ब्रह्मोस स्टेट ऑफ आर्ट बूस्टर इमारत का उद्घाटन हो रहा है। आज का दिन यूपी और लखनऊ के लिए भी बहुत ही महत्वपूर्ण है।

'कांग्रेस में जीएसटी पर बोलने वालों को शिक्षित किए जाने की जरूरत'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी व्यवस्था में किये गए सुधारों को सही दिशा में लौटने वाला कदम बताने जैसी कांग्रेस की टिप्पणियों पर तीखी आलोचना की।

नयी दिल्ली , 18 अक्टूबर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में हाल में किये गए सुधारों को सही दिशा में लौटने वाला कदम बताने जैसी विपक्षी कांग्रेस पार्टी की टिप्पणियों को लेकर उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस में जीएसटी पर बोलने वालों को शिक्षित किए जाने की जरूरत है।

सीतारमण ने जीएसटी में सुधार के प्रभाव पर विशेष रूप से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं जिसमें उनके साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण, रेल तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (मेइटी) मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी थे।

सीतारण ने कहा, मेरा ईमानदारी से यह सुझाव है कि कांग्रेस पार्टी की ओर से जीएसटी पर जो भी बोलता है, उसे कुछ पूर्व वित्त मंत्रियों के साथ बिठा कर टिप्पणी करने से पहले उन्हें शिक्षित करना चाहिए।" उनसे पूछा गया था कि कांग्रेस पार्टी जीएसटी सुधारों को सही राह पर लौटने वाला कदम बता रही है और वह इस बात की जवाबदेही भी चाहती है कि इतने समय तक लोगों को जीएसटी के ऊंचे बोझ के नीचे क्यों रखा गया। सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस की ओर से बोलने वालों को न जाने कौन सिखाता-पढ़ाता है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी की राह मोदी सरकार ने ही निर्धारित की थी और सात-आठ साल के अंदर ही सरकार ने जनता और पूरी अर्थव्यवस्था के फायदे के लिए अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अब और सुधार किया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार का कर कम करने का कोई

- उन्होंने कहा कि जीएसटी की राह मोदी सरकार ने ही निर्धारित की थी और सात-आठ साल के अंदर ही सरकार ने जनता और पूरी अर्थव्यवस्था के फायदे के लिए अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अब और सुधार किया है।
- सीतारमण ने जीएसटी में सुधार के प्रभाव पर विशेष रूप से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।
- उन्होंने जीएसटी में कटौती को अमेरिकी शुल्क नीति या बिहार चुनाव से जोड़ने की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं तो चुनाव लगा ही रहता है।

कदम कोर्स करेक्शन (सही दिशा में लौटना) नहीं होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में कर यह 98 प्रतिशत, 91 प्रतिशत तक थे।.. और अगर वे इसे कोर्स करेक्शन कहना भी चाहें, तो कांग्रेस के ज़माने में उन्होंने इसकी कोशिश भी नहीं की थी।

वित्त मंत्री ने कहा, मेरा मानना है कि जीएसटी में कमी लोगों के हित में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमें यही करने के लिए कह रहे हैं। सात साल, आठ साल के भीतर, कर की दर कम करने का कोई विकल्प सामने आ रहा है। तो यह कोई सही रास्ते पर लौटने जैसी बात नहीं है।

उन्होंने जीएसटी में कटौती को अमेरिकी शुल्क नीति या बिहार चुनाव से जोड़ने की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं तो चुनाव लगा ही रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने -"एक देश, एक चुनाव" का प्रस्ताव रखा। उससे इस तरह के सवालों से बचा जा सकता है। वित्त मंत्री ने कहा, चुनाव आते-जाते रहते हैं। हालाँकि, चुनाव किसी भी नीति पर असर डाल सकते हैं, और नीति का चुनावों पर असर पड़ सकता है। ये ऐसे जुड़े हुए प्रभाव हैं जिनके साथ आपको जीना ही होगा..."

संक्षिप्त

लॉटरी में भ्रष्टाचार का आरोप

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा यूआईटी द्वारा 3081 भूखंडों को लेकर निकाली गई लॉटरी लगातार विवादों में गिरती जा रही है। यूआईटी की लॉटरी में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शहरवासियों ने जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार गुरुवार को भीलवाड़ा में यूआईटी द्वारा 8 आवासीय योजनाओं के तहत 3081 भूखंडों की लॉटरी निकाली गई। यह लॉटरी प्रक्रिया यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की मौजूदगी में आयोजित की गई थी, इस दौरान ही शहर वासियों ने एससी में एसीटी के आवेदकों का नाम आने, भूमाफियाओं के धड़ल्ले से भूखंड खुलने और खुद यूआईटी के अधिकारियों के परिवारों के भूखंड खुलने के बाद गड़बड़झाले का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया था, तब से शुरू हुई आक्रोश की आग दिनों दिन बढ़ती जा रही है। यूआईटी की लॉटरी के खिलाफ लामबंद हुए शहर वासियों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर से यूआईटी लॉटरी निरस्त कर दोषी अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जांच अभियान में 40 किलो घी जब्त

भीलवाड़ा। शुद्ध आहार मिलावट परिवार अभियान के तहत धनतेरस के दिन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नकली मिलावटी मावा आने की सूचना पर लैंडमार्क होटल के निकट बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया इस दौरान 500 किलो से अधिक मिलावटी मावा और 40 किलो घी जब्त किया गया है। जानकारी के अनुसार सूचना के आधार पर विभागीय टीम ने लैंडमार्क होटल के यहां बस में आए 500 किलो से अधिक मावे को जप्त किया यह मामा कहां से आया है और इसका मालिक कौन है फिलहाल इसका पता नहीं लग पाया है। इंस्पेक्टर अशोक यादव ने बताया कि मावे को लेने यदि कोई मालिक नहीं आता है तो उसे नष्ट करवाया जाएगा और नियम अनुसार आगे की कार्रवाई को अंजाम दिया। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। लोगों में इस अभियान की खासी चर्चा भी रही। लोगोंने चर्चा की कि यह अभियान समय समय पर चलाया जाना चाहिए।

फर्जी पुलिस बनकर लोगों का अपहरण और फिरौती वसूली की वारदात को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश

अलवर। लाल बत्ती की गाडी लेकर पुलिस की वर्दी पहन कर खुद को हरियाणा पुलिस में बताते और लोगों को उठा ले जाते फिर उनके परिवार से लाखों की फिरोती मांगते और छोड़ देते है। अलवर के गोविन्दगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लाल बत्ती लगी गाडी में फर्जी पुलिस बनकर लोगों का अपहरण और फिरौती वसूली की वारदात को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गैंग के दो आरोपियों निरजू गुर्जर व साजिद उर्फ काला को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी बने सिंह ने बताया की परिवादी साजिद पुत्र दिलावर निवासी धांधोली, थाना जालूकी, जिला डीग ने न्यायालय में इस्तगासा पेश कर बताया कि वह गांव सैमला खुर्द में ई-मित्र की दुकान चलाता है। दिनांक 28 जून 2025 को चार-पांच लोग लाल बत्ती लगी गाडी में पुलिस की वर्दी जैसा पहनावा कर आए और खुद को हरियाणा पुलिस बताकर उसका अपहरण कर लिया। आरोपियों ने दुकान से कैश, मोबाइल और कंप्यूटर सहित अन्य सामान भी लूट लिया। बाद में परिजनों से 4 लाख रुपए की फिरौती लेकर ही उसे छोडने की बात कही।

अलवर के गोविन्दगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लाल बत्ती लगी गाडी में फर्जी पुलिस बनकर लोगों का अपहरण और फिरौती वसूली की वारदात को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है।

- चार-पांच जने पुलिस की वर्दी जैसा पहनावा कर आए और पीड़ित का अपहरण कर लिया

परिजन फिरौती की रकम असलूप उर्फ काला और साजिद उर्फ काला को देकर ही पीडित को छुडा पाए। पुलिस ने आरोपियों से गहन पूछताछ शुरू कर दी है और वारदात में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है। जल्द ही गैंग के और सदस्यों की गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है। गो-तस्कर को 5 साल की जेल : अलवर अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या-एक धीरज शर्मा ने शुक्रवार को गोवंश की हत्या व तस्करी के मामले में आरोपी असलम खान को 5 साल की जेल व 23 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। अलवर कोर्ट से तस्कर को पहली बार पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने फैसले में कहा कि अपराध की गंभीरता, समाज पर प्रभाव और मामले के तथ्यों व परिस्थितियों को देखते हुए अभियुक्त को सजा में किसी प्रकार का लाभ दिया जाना न्यायोचित नहीं हैं। अपर लोक अभियोजक नवनीत तिवाड़ी ने बताया कि प्रकरण में हेड कॉन्स्टेबल रूपनारायण ने 20 अगस्त 2016 को पुलिस थाना रामगढ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, कि मुखबिर की सूचना पर रात करीब 2.30 बजे संदिग्ध गौतस्करों की एक पिकअप गाडी को रुकवाने के लिए नाकाबंदी की जा रही थी।

सार-समाचार

डॉ. भानावत को मेवाड़ गौरव सम्मान

उदयपुर। गत दिनों उदयपुर के दरबार हाल में मेवाड़ गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, उड़ीसा के उपमुख्यमंत्री कनकवर्धन सिंह देव, सांसद संगीता कुमारी सिंह देव, फर्स्ट इंडिया न्यूज़ के पवन अरोड़ा, उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत, शहर विधायक ताराचंद जैन, कलेक्टर नमित मेहता, आईजी गौरव श्रीवास्तव, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो शिवसिंह सारंगदेवोत एवं एसपी योगेश गोयल ने पीआर के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. तुक्तक भानावत का सम्मान किया।

पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व का आगाज

भीलवाड़ा। शहर सहित जिले भर में धनतेरस के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व का आगाज हुआ। शुभ मुहूर्त में खरीदारी के लिए शहर के सभी बाजार खरीदारों की भीड से गुलजार रहे, जिससे बाजार में रौनक और उत्साह देखते ही बन रहा था। धनतेरस पर मिट्टी, स्टील और सोना खरीदना शुभ माना जाता है, लेकिन इस बार ग्राहकों का सर्वाधिक रुझान चांदी की ओर रहा। बाजार में सोने-चांदी के भाव काफी तेज होने के बावजूद, ज्वेलरी शोरूम में ठाहकों की भारी भीड़ उमडी। सोने से ज्यादा चांदी की खरीदारी हुई, विशेष रूप से शुभ माने जाने वाले चांदी के सिक्कों और गहनों की जमकर बिक्री हुई। वाहनों की बिक्री बढ़ी, ईवी सेगमेंट में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। ऑटोमोबाइल सेक्टर ने भी इस धनतेरस पर जबरदस्त बूम देखा। टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर की अच्छी सेल दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले इस साल ईवी इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट का मार्केट बूम पर है। पर्यावरण-अनुकूल वाहनों की बढ़ती मांग ने कई बड़ी कंपनियों की गाडियों की सेल को बढाया। धनतेरस पर केवल धातु ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की भी अच्छी खरीदारी हुई। टीवी, फ्रिज, एलईडी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकानों पर भी ठाहकों की भीड लगी रही। आधुनिकता के साथ पारंपरिक खरीदारी का मेल देखने को मिला, जहां घरेलू साज-सजावट के सामान, दिए, बर्तन, कपडे और खाने-पीने सौंफ-सुपारी आदि के उत्पादों की स्टॉल्स पर भी जमकर खरीदारी हुई।

बस पलटी, दो मासूम की मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली के निकट जोधपुर रोड हाईवे पर गाजनगढ़ के पास शुक्रवार देर रात्रि एक प्राइवेट बस पलटने से उसमें सवार दो मासूमों के मौके पर ही मौत हो गई, और करीब 28 दिन में घायल हो गए, जिनका बांगड़ अस्पताल इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार उदयपुर से जैसलमेर जा रही एक प्राइवेट बस का ड्राइवर 100 किलोमीटर की रफ्तार से गाड़ी चला रहा था। गाड़ी में मौजूद सवारी के बार-बार टोकने के बावजूद उसने कहा गाड़ी मेरे को चलानी है, आप बैठ जाइए। गाजनगढ़ के पास बस पलट गई, जिससे कोहराम मच गया। रोहट पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाला। बस में उदयपुर में कार्यरत एक महिला किरण मीणा का भी एक पैर फैक्चर हो गया। जिसकी 1 नवंबर को शादी है। इसी प्रकार मध्य प्रदेश के बोरखेड़ा रतलाम निवासी गजेंद्र अपनी पत्नी बच्ची पर रिश्तेदारों के साथ जैसलमेर फसल काटने के लिए जा रहे थे। जब बस पलटी तो उसने देखा कि उसकी 1 साल की बेटी दिव्या का सर धड़ से अलग हो गया और पत्नी भी घायल हो गई। दीपावली की खुशियां मातम में बदल गई।
इसी प्रकार एमपी के खेतवालिया निवासी रामलाल की पुत्री सोने के सीने

पैतृक गांव अटारी में सीएम का किसानों से संवाद

भरतपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को अपने पैतृक गांव अटारी पहुंचे, जहां लोकदेवता घोड़े वाला बाबा तथा चामुंडा माता मंदिर के धोक लगाकर विधि विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश में खुशहाली की कामना की। शर्मा ने अटारी गांव में बड़े बुजुर्गों से मिलकर आशीर्वाद लिया तथा हाल-चाल पूछ कर घर-परिवार व खेती-बाड़ी की जानकारी ली। उन्होंने संपूर्ण गांव में पैदल परिक्रमा कर घर-घर जाकर लोगों से दीपावली की रामा-श्यामा की तथा बड़े बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री गांव में अपने पैतृक घर भी पहुंचे, जहां अपनी माताजी के चरण छूकर आशीर्वाद लिया तथा कुशलक्षेम जानी। मुख्यमंत्री शर्मा का अटारी गांव में घर-घर पर भव्य स्वागत हुआ। ग्रामीणों से उन्होंने आत्मीयता से मिलकर हाल-चाल जाने तथा खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि किसान आधुनिक खेती अपनाकर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेती में अधिक उर्वरकों का उपयोग करने से मिट्टी की उर्वरता कम हो रही है तथा इसके कारण जलभराव की भी समस्या रहती है। उन्होंने किसानों से आ ान किया कि मिट्टी की जांच करवा कर कृषि वैज्ञानिकों के सुझाव अनुसार उर्वरकों का उपयोग करें।

उन्होंने किसानों को दलहन एवं नगदी फसलों का चयन करने, केंद्र व राज्य सरकार की कृषि से संबंधित नवाचारों आधारित योजनाओं को अपनाने का आ ान किया। शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार के जीएसटी सुधारों से कृषि यंत्रों की खरीद में भी किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने युवाओं को अच्छी शिक्षा के अवसर प्रदान कर सरकारी नौकरियों के साथ ही स्वरोजगार के माध्यम से रोजगार प्रदाता बनाने का आव्हान किया।

व्यापार में परेशान नही करने की एवज में रिश्वत मांगी

कोटा, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी कोटा इकाई ने कार्यवाही करते हुए नगर परिषद बारॉं आयुक्त मोती शंकर नागर व सहायक अग्निशमन अधिकारी उवेश शेख को दो लाख पचास हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी कोटा को 9 अक्टुबर को एक शिकायत मिली, शिकायत में सामने आया कि परिवादी को व्यापार करने मे परेशान नही करने की एवज मे आरोपियो द्वारा 5 लाख रुपए रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है। शिकायत मिलने पर कार्यवाही करते हुए 15 व 17 अक्टुबर को रिश्वत मांग का सत्यापन कराया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक ने बताया कि सत्यापन के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा के उप महानिरीक्षक आनन्द शर्मा के सुपरविजन तथा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में एसीबी के पुलिस उपअधीक्षक ताराचंद के नेतृत्व मे ट्रेप का आयोजन किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक ने बताया कि कार्यवाही के दौरान परिवादी से उवेश शेख ने अपने कार्यालय मे दो लाख पचास हजार रुपये रिश्वत प्राप्त की तथा कार्यालय परिसर में खड़ी अपनी स्कूटी की डिक्की मे रिश्वत राशि रख कर रवाना होते हुए उसे ट्रेप दल द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया तथा सरकारी निवास से मोती शंकर नागर आयुक्त को डिटेन किया गया। एसीबी के उप महानिरीक्षक आनन्द शर्मा के सुपरविजन में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ व कार्यवाही जारी है।

मोती शंकर नागर

उवेश शेख

गीतांजली हॉस्पिटल में फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल

उदयपुर, 18 अक्टूबर। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में अग्निशमन विभाग, नगर निगम उदयपुर के सहयोग से फायर सेफ्टि ट्रेनिंग एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य हॉस्पिटल परिसर में आपातकालीन स्थिति में सुरक्षा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम में फायर सेफ्टी अधिकारियों ने हॉस्पिटल स्टाफ को आग लगने की स्थिति में तुरंत उठाए जाने वाले कदमों, सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग तथा रोगियों और स्टाफ की सुरक्षित निकासी के तरीकों की जानकारी दी।

- प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य हॉस्पिटल परिसर में आपातकालीन स्थिति में सुरक्षा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना था।

उदयपुर के गीतांजली हॉस्पिटल में फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

इस अवसर पर गीतांजली यूनिवर्सिटी के वाईस प्रेसिडेंट संदीप कुणावत,गीतांजली हॉस्पिटल के सीईओ ऋषि कपूर, गीतांजली हॉस्पिटल के जीएम ऑपरेशन अमित बंसल, सीएसओ चक्रपाल सिंह ने बताया कि नियमित अंतराल पर ऐसे अभ्यास से न केवल सुरक्षा स्तर बढ़ता है बल्कि स्टाफ की सतर्कता और तत्परता भी सुनिश्चित होती है।

धनतेरस पर बाजारों में रही भीड़

करौली। करौली के बाजारों में धनतेरस के अवसर पर भारी भीड़ उमडी। दीपोत्सव के पांच दिवसीय उत्सव के दौरान दुकानों पर खरीदारों की जबरदस्त रौनक देखी गई। मिठाई, वस्त्र, सजावटी सामान, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और घरेलू वस्तुओं की दुकानों पर ठाहकों की लंबी कतारें लगी रहीं।

इस दौरान वाहन बिक्री में भी तेजी दर्ज की गई, खासकर मोटरसाइकिलों की बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हीरो मोटरसाइकिल एजेंसी के संचालक मदन मोहन गुप्ता ने बताया कि जीएसटी छूट के कारण इस बार वाहनों की बिक्री में पिछले साल की तुलना में अधिक इजाफा हुआ है। बाजारों में बढ़ती भीड़ के कारण कई स्थानों पर यातायात जाम की स्थिति बनी, जिससे व्यवस्था चुनौतीपूर्ण रही। शहर प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के लिए विशेष कदम उठाए। यातायात पुलिस ने परकोटे के भीतर चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन किए

करौली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धनतेरस के पावन पर्व पर शनिवार को जिले के मेहंदीपुर में पूर्ण विधि विधान से श्री मेहंदीपुर बालाजी महाराज के पावन दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व आरोग्यमय जीवन के लिए कामना की। मेहंदीपुर बालाजी के महंत डॉ. नरेश पुरी महाराज ने मुख्यमंत्री शर्मा को मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना कराई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिलेवासियों को पंच पर्व दीपोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि स्वदेश में निर्मित उत्पादों का उपयोग करने से स्थानीय कामगारों, दुकानदारों और उद्यिमयों को प्रोत्साहन मिलेगा और वोकल फॉर लोकल के तहत आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हम मजबूती से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जीएसटी की दरों में कमी कर आमजन को बड़ा फायदा दिया है। रोटी, कपड़ा और मकान सस्ता होने से आमजन के लिए यह दीपावली खुशियों की सौगात लेकर आई है। इस अवसर पर जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना, पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल, सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धनतेरस पर्व पर मेहंदीपुर में पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व आरोग्यमय जीवन के लिए कामना की।

नायब तहसीलदार ने सुसाइड किया

हनुमानगढ़। नायब तहसीलदार नरेंद्र सहू (30) ने सुसाइड कर लिया। सरकारी क्वार्टर में वे फंदे से लटके मिले। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस कारणों की जांच में जुटी हुई है। घटना शनिवार सुबह 8 बजे की भादरा की है। थानाधिकारी हनुमान बिश्नोई ने बताया कि नायब तहसीलदार नरेंद्र सहू शुक्रवार को ऑफिस टाइम के बाद सरकारी क्वार्टर पर ही थे। चुनाव शाखा में तैनात कर्मचारी दाताराम जांदू ने बताया- नायब तहसीलदार ने उन्हें सुबह 6 बजे कॉल किया था। मुझ से नए सूचना सहायक के ज्वाइनिंग ऑर्डर वेबसाइट पर नहीं मिलने के बारे में पूछा था। वेबसाइट से संबंधित जानकारी बता दी थी। इसके बाद उन्होंने कॉल काट दिया। नरेंद्र सहू भूमि राजस्व, विवाद निपटान और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में एक्टिव थे।

'बीमा कंपनियों ने किसानों के 122 करोड़ खाए'

श्रीगंगानगर। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने श्रीगंगानगर जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बड़ा घोटाला होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- बीमा कंपनी ने कृषि पर्यवेक्षकों, अधिकारियों और किसानों के फर्जी साइन कर बीमा क्लेम के 122 करोड़ रूपए डकार लिए।

बीमा कंपनी ने 1 लाख 70 हजार आवेदनों के फर्जी साइन कर प्रपत्र बना लिए, और केंद्र-राज्य सरकार से पैसा ले लिया। इसके बाद ये लोग किसानों का पैसा निगल गए। मीणा ने पिछली सरकार पर बीमा कंपनियों से सांठ-गांठ का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- प्रदेश में 2023 के दौरान चुनावी माहौल में पिछली सरकार ने प्राकृतिक आपदा के क्लेम के नियमों में छेड़छाड़ की है और प्राकृतिक आपदा के दौरान मिलने वाली रकम के पैराग्राफ को ही हटा दिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा- हम ये सब नहीं होने देंगे, किसानों को पाई-पाई वापस दिलवाएंगे। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। क्योंकि, इन्होंने किसानों के साथ धोखाधड़ी की है। बीमा कंपनी ने फर्जी हस्ताक्षर और मुहर लगा लगाई।

धनतेरस पर कोटा जिले के 1 लाख 52 हजार 566 किसानों के खातों में 15 करोड़ 25 लाख से अधिक की राशि भेजी

बूंदी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धनतेरस के शुभ अवसर पर प्रदेश के 70 लाख से अधिक किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लगभग 718 करोड की राशि हस्तानांतरित कर पांच दिवसीय पर्व दीपावली पर किसानों को सौगात दी है। शनिवार को नदबई, भरतपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से बूंदी जिले के 1 लाख 52 हजार 566 किसानों के खातों में 15 करोड़ 25 लाख 66 हजार की राशि किसान सम्मान निधि योजना की चतुर्थ किश्त का हस्तांतरण कर किसानों को दीपावली पर्व पर सम्मान के साथ सौगात प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से पूरे प्रदेश वासियो को धनतेरस एवं पांच दिवसीय पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

- लगभग 718 करोड की राशि हस्तानांतरित कर पांच दिवसीय पर्व दीपावली पर किसानों को सौगात

किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लगभग कोटो में अधिकारियों की बैठक हुई।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसान पालनहार है और प्रधानमंत्री के किसान को विकसित करते हुए भारत को विकसित करने की संकल्पना को पूरा करने में राज्य सरकार द्वारा भी मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को किए गए वादे को निभाते हुए बढ़ोतरी कर 3000 रूपये राशि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से भी दी जा रही है जिसमें अब तक 60 हजार 31 करोड़ से अधिक की राशि से 70 लाख से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जा चुका है। इस अवसर पर उन्होंने फसल बीमा योजना, अल्पकालिक ब्याज मुक्त फसली ऋण योजना, एक मुश्त समझौता योजना, सहकार सदस्यता अभियान, क्रेडिट कार्ड योजना की जानकारी देते हुए सरकार द्वारा सोलर पंप में अनुदान के माध्यम से कृषि को बढ़ावा देने जैसे कार्यों के बारे में जानकारी दी। जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले भर के किसान वीसी के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से जुड़े। इस दौरान जिला कलक्टर अक्षय गोदारा, उपखंड अधिकारी बूंदी लक्ष्मीकांत मीणा, सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के प्रबंधक मुकेश गर्ग, किसान महेंद्र शर्मा, भंवरलाल वर्मा, महावीर गुर्जर सहित अन्य कार्मिक व किसान मौजूद रहें।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता,
जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, पंचायत समिति-बडगांव उदयपुर
Email: EXEENWDSCBADGOAN@RAJASTHAN.GOV.COM
क्रमांक-एफ( )/निविदा/MJSA 2.0/2025-26/133 दिनांक-13.10.2025
ई निविदा सूचना 03-04/2025-26
मुख्यमंत्री जलस्वावलम्बन अभियान 2.0 द्वितीय चरण (एनआरएम) परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत बडगांव (कुल 2 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्यों के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 91.30 लाख रूपये दिनांक 23.10.2025 को सायं6.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती है। बोलियों से संबंधित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/) पर देखे जा सकते है।
यूबीएन नं.WSC2526WSOB01479, WSC2526WSOB01480 अधिशाषी अभियन्ता
जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, बडगांव, जिला उदयपुर (राज.)
DIPR/C/15363/2025

Office of the Executive Engineer,
Watershed Development & Soil Conservation Bikaner
S.No. 409-414 Date: 13.10.2025
NOTICE INVITING BID
NIB NO. WSC2526A0863
On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of NRM Works under PMKSY 2.0 Projects of estimated value INR 169.84 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 24.10.2025, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthn.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

Bid No.	Block	Estimated Cost, (Rs. in lakhs)	UBN No.
1	Bikaner	73.76	WSC2526WSOB01472
2	Bikaner	72.75	WSC2526WSOB01473
3	Bikaner	23.33	WSC2526WSOB01474

(Mahesh Kumar Ajariwal)
Executive Engnieer,
WDSC, Bikaner
DIPR/C/15336/2025

OFFICE OF THE PRINCIPAL, RNT MEDICAL COLLEGE & CONTROLLER ASSOCIATED GROUP OF HOSPITALS, UDAIPUR (RAJ.)
No. RNT/Pur-III/F.16/(tender proc)/2025-26/1547 Dated: 13.10.2025
Notice Inviting Bid No. 19/2025-26
Bids for Rate contract for Mess/canteen at Nursing Boys Hostel and TB PG hostel (TB Hospital, Badi), Rate Contract for Food Supply for Patients for Seth Ram Vilas Bhuwalka TB Hospital, Badi, Various Equipments for AMR Containment Programme (NARS-NET), Rate Contract for RT-PCR KITS & ELISA kits and other Regents for VRDL Lab are invited from interested bidders up to Date: 27.10.2025 Time: 10.30 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state Total Amount of Procument is Rs. 95.80 Lakh.
UBN- MCU2526GLRC00224, MCU2526GSOB00223, MCU2526SLRC00222, MCU2526SSOB00221
DIPR/C/15428/2025 PRINCIPAL & CONTROLLER

रोहित का ये सभी शंकाओं को अनुशासन और कड़ी मेहनत से खारिज करने के लिए था, ताकि वे हेल्दी, फीस्ट और फिट रहें।

- अभिषेक नायर

पूर्व भारतीय असिस्टेंट कोच, रोहित शर्मा की फिटनेस के बारे में बोलते हुये।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **विराट कोहली**

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली वनडे क्रिकेट में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाला बल्लेबाज बनने से केवल 54 रन दूर हैं। अभी कोहली के नाम वनडे में 14181 रन हैं और वह श्रीलंका के कुमार संगकारा (14234) से पीछे हैं। विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। रोहित 500 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले विश्व के 11वें और भारत के पांचवें क्रिकेटर बनेंगे। रोहित के नाम इस समय तक 499 अंतर्राष्ट्रीय मैच हैं। इसके अलावा रोहित ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ ऑस्ट्रेलिया में ही 1000 वनडे रन पूरे करने से केवल 10 रन दूर हैं।

क्या आप जानते हैं ?... विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 21 नवंबर 2022 को 50 ओवर में 506 रन बनाकर वनडे में सबसे अधिक स्कोर का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

भारतीय क्रिकेट टीम में दो सबसे प्रभावशाली कप्तान शामिल हैं: गिल

पर्थ, 18 अक्टूबर। भारतीय कप्तान के रूप में शुभमन गिल का पहला वनडे मैच एक अनोखी पृष्ठभूमि के साथ आ रहा है। वह एक ऐसी टीम की अगुवाई करेंगे जिसमें भारतीय क्रिकेट के दो सबसे प्रभावशाली कप्तान शामिल हैं: निवर्तमान कप्तान रोहित शर्मा और रोहित के पूर्ववर्ती विराट कोहली। यह एक दुर्लभ बदलाव का दौर है जहां अनुभव और बदलाव एक ही ड्रेसिंग रूम में मौजूद हैं क्योंकि भारत अगले वनडे विश्व कप की तैयारी में शुरुआती कदम उठा रहा है, जो अभी लगभग दो साल दूर है।

हालांकि, गिल स्पष्ट हैं कि दोनों वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ उनके संबंधों में कोई बदलाव नहीं आया है। 26 वर्षीय ने पर्थ में पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, ''मुझे लगता है कि बाहर की कहानी अलग है, लेकिन हमारे बीच कुछ भी नहीं बदला है। सब कुछ पहले जैसा ही है, और यह बहुत मददगार है।''

''वे जो भी महसूस करते हैं, उनका अनुभव, उन्होंने जो भी सीखा है, चाहे पिच को पढ़कर या किसी भी स्थिति से, मैं उनके पास जाता हूँ और पूछता हूँ कि वे क्या सोचते हैं, अगर वे मेरी जगह होते तो कैसे करते। मुझे लोगों के विचार जानना पसंद है और फिर, खेल की अपनी समझ के आधार पर, मैं उसके अनुसार अपने फैसले लेता हूँ।''

नए वनडे कप्तान ने कहा कि रोहित और कोहली के साथ उनकी बातचीत अब भी

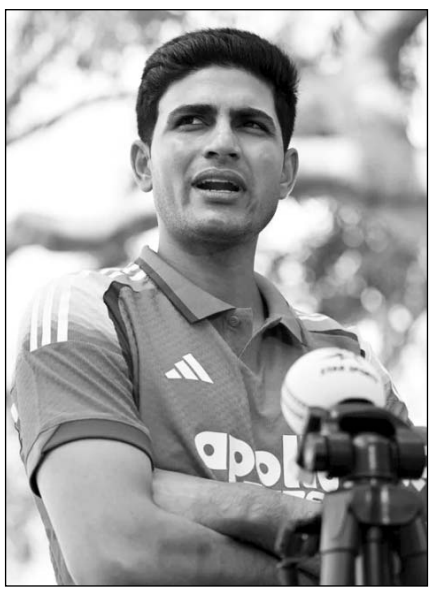

खुली और सहज है। ''विराट भाई और रोहित भाई, दोनों के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। जब भी मुझे किसी चीज को लेकर संदेह होता है, मैं उनके पास जाता हूँ, उनके सुझाव लेता हूँ, उनकी सलाह लेता हूँ, और वे मुझे कुछ भी बताने में कभी नहीं हिचकिचाते। देखिए, मुझे लगता है कि यही अनुभव का असली खजाना है।''

गिल के लिए, उन दो खिलाड़ियों की कप्तानी करने का अवसर विशेष है जिन्हें वह कभी दूर से देखते और सराहते थे। ''मेरा मतलब है, ज़ाहिर है, ये वो खिलाड़ी हैं जिन्हें मैं बचपन में अपना आदर्श मानता था। उनकी जिस तरह की भूख ने मुझे प्रेरित किया, वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। खेल के ऐसे दिग्गजों का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे यकीन है कि इस सीरीज में ऐसे कई पल आएंगे जहां मैं उनसे सीख पाऊँगा। अगर मैं किसी मुश्किल स्थिति में पड़ूँ, तो मैं उनसे सलाह लेने से नहीं हिचकिचाऊँगा।''अपने कार्यकाल की शुरुआत की तैयारी करते हुए, गिल ने कहा कि वह अपनी पदोन्नति को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा बनाई गई वनडे विरासत को आगे बढ़ाने के एक अवसर के रूप में देखते हैं। ''निश्चित रूप से, बहुत रोमांचक। एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मेरे लिए यह एक बड़ा पद है। मुझे बहुत सारे अनुभव और बहुत सी सीख मिली है।''

''रोहित और विराट दोनों के साथ मेरी कई बार बातचीत हुई है कि टीम को कैसे आगे बढ़ाया जाए और वे भारतीय क्रिकेट टीम के लिए किस तरह की संस्कृति चाहते हैं। मुझे लगता है कि ये सीख और अनुभव हमारी टीम को आगे बढ़ने में मदद करेंगे।''

रोहित-कोहली का होगा टेस्ट, युवा खिलाड़ियों की परीक्षा

पर्थ, 18 अक्टूबर। कल सुबह उछालभरे, हवादार और खूबसूरत पर्थ स्टेडियम में दो दिग्गज क्रिकेट टीमें – भारत और ऑस्ट्रेलिया – पहले एकदिवसीय मैच में आमने-सामने होंगी, तो एक बार फिर धमाकेदार आगाज होने वाला है। यह सिर्फ़ एक और मैच नहीं है; यह एक बयानबाजी सीरीज है, इरादों की लड़ाई है, और अनुकूलनशीलता की परीक्षा है। इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद, भारत सात महीने के लंबे अंतराल के बाद 50 ओवरों के क्रिकेट के मैदान में वापसी कर रहा है। और यह नज़ारा वाकई शानदार होगा – शुभमन गिल के रूप में एक नया कप्तान, एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, और रोहित शर्मा और विराट कोहली की चिर-परिचित जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई धरती पर फिर से मैदान में उतरेगी।

प्रशंसकों के लिए, यह एक स्वप्निल जोड़ी है – युवा नेतृत्व और अनुभवी प्रतिभा का मेला। शांत लेकिन तेज कप्तान गिल, इस रोमांचक पिच पर अपनी टीम को मजबूती से मैदान पर उतारना चाहेंगे। बड़ा सवाल यह है कि भारत कितनी जल्दी अपनी पुरानी जंग को मिटाकर सफ़ेद गेंद की लय में वापस आ सकता है?

दूसरी तरफ, मिचेल मार्श की

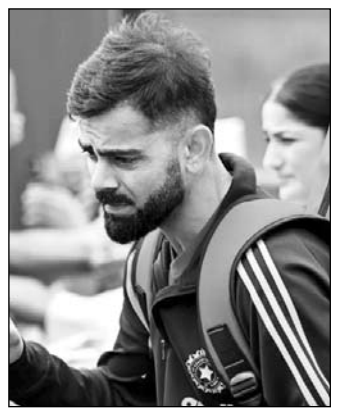

ऑस्ट्रेलियाई टीम लार टपका रही है। हाँ, उन्हें दक्षिण अफ्रीका से घर में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन आप जानते ही हैं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम कैसी होती है – घायल कंगारू अक्सर ज़ोरदार किक मारते हैं। और यहाँ पर्थ में, उन्हें घरेलू पिच का पूरा फ़ायदा मिलेगा, जहाँ जीवंत उछाल, कैरी और थोड़ी-बहुत गतिशीलता है जो मेहमान बल्लेबाज़ों के लिए मुश्किलें खड़ी कर देगी।

ट्रेविस हेड पर नजर – वह आक्रामक बल्लेबाज जिसने भारत को परेशान करने की आदत बना ली है। भारतीय टीम के ख़िलाफ सिर्फ़ 15 वनडे मैचों में तीन शतक और चार अर्धशतक – अब यह तो बहुत बड़ा नुकसान है! जोश इंगलिस और मिचेल मार्श को इस शीर्ष क्रम में जोड़ दीजिए, और अचानक आपके पास ताकत, प्लेसमेंट और भरपूर ज़ोरदार गेंदबाज़ी आ जाती है।

और फिर असली मसाला है – मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड। पर्थ की अतिरिक्त तेज़ी के साथ, वे नई गेंद से आग उगलेंगे। पैट कमिंस के बिना, ऑस्ट्रेलियाई टीम का अनुभव थोड़ा कम हुआ है, लेकिन नाथन एलिस और एडम जम्पा कौशल और विविधता लेकर आए हैं जो मेहमान टीम को उलझन में डाल देंगे।

अब, भारत का आक्रमण भी जोश से भरा है। मोहम्मद सिराज लाल गेंद वाले क्रिकेट में शानदार लय में हैं, और सीम और स्विंग हासिल करने की उनकी क्षमता शुरुआत में ही अहम साबित होगी। उनके साथ अर्शदीप सिंह होंगे, जो बाएँ हाथ के गेंदबाज हैं और अपनी कोणों और यॉर्कर का मिश्रण करना पसंद करते हैं। और कुलदीप यादव को नजरअंदाज न करें – दोपहर की गर्मी में गेंद पर पकड़ बनते ही उनकी कलाई की स्पिन का जादू पासा पलट सकता है।

बल्लेबाज़ी में, रोहित शर्मा और विराट कोहली पर टीम को संभालने की ज़िम्मेदारी होगी, जबकि श्रेयस अय्यर और केएल राहुल मध्य क्रम की धड़कन हैं। और युवा नितीश रेड्डी भी हैं, एक गतिशील ऑलराउंडर जो अगर शुरुआत में ही लय पकड़ ले तो भारत के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं। पर्थ वनडे में बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग नहीं रहा है – दरअसल, यहाँ हुए तीन में से दो मैचों में टीमें 160 के नीचे ढेर हो गईं। जी हाँ – यह कोई शानदार मैदान नहीं, बल्कि बाउंसरों का मैदान है! 260-270 के आसपास का स्कोर काफी मुश्किल हो सकता है, और अगर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमें इन तीन में से दो मैच जीत जाती हैं।

बीसीसीआई ने अफ़ग़ान क्रिकेटरों की दुखद मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

नयी दिल्ली, 18 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने तीन युवा अफ़ग़ान क्रिकेटरों – कबीर आगा, सिबगतुल्लाह और हारून – की दुखद मृत्यु पर गहरा दुःख और संवेदना व्यक्त किया है, जिन्होंने पक्तिका प्रांत में सीमा पार से हुए कायराना हवाई हमलों में अपनी जान गंवा दी। बीसीसीआई इस गहरे दुःख की घड़ी में अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी), क्रिकेट जगत और दिवंगत खिलाड़ियों के परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस भयावह और अनुचित हमले की निंदा करता है।

रेनशॉ और ओवेन का वनडे सीरीज के पहले मैच में होगा डेब्यू

पर्थ, 18 अक्टूबर। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लगभग एक दशक बाद, मैथ्यू रेनशॉ रविवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना पहला वनडे मैच खेलेंगे। यह पुष्टि हो गई है कि यह बाएं हाथ का बल्लेबाज भारत के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में ऑलराउंडर मिच ओवेन के साथ डेब्यू करेगा। मैट शॉर्ट भी पहले वनडे में वापसी करेंगे।

भारतीय महिला टीम के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला

इंदौर, 18 अक्टूबर। होलकर स्टेडियम में माहौल रोमांचक होता जा रहा है। जैसे-जैसे आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने चरम पर पहुंच रहा है, हरमनप्रीत कौर की भारतीय महिला टीम 19 अक्टूबर को नेट शिवर-ब्रंट की इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ एक जरूरी मुकाबले की तैयारी में जुटी है।

भारत को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है – लगातार दो हार ने उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को गंभीर रूप से खतरे में डाल दिया है। लेकिन अगर इस टीम को किसी चीज से फ़ायदा होता है, तो वह है दबाव। और होलकर स्टेडियम के हर कोने से घरेलू दर्शकों की गर्जना के साथ, एक जबरदस्त वापसी की उम्मीद करें। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 विकेट से मिली उस मामूली हार के बाद, भारत की गेंदबाजी और मध्यक्रम की मजबूती पर सवाल उठ रहे हैं। शीर्ष क्रम ने अपना काम कर दिया था- स्मृति मंधाना और युवा प्रतीका रावल ने 155 रनों की शानदार साझेदारी की, लेकिन बाकी बल्लेबाज जरूरी समय पर लड़खड़ा गए। इस बार, कप्तान हरमनप्रीत से न सिर्फ़ दृढ़ता, बल्कि खेल के प्रति जागरूकता की भी अपेक्षा की जाएगी।

भारत के लिए अच्छी खबर: हाल के दिनों में उन्होंने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी है। पिछले पांच मुकाबलों में से चार में जीत- यह कोई तुक्का नहीं है। यह टीम जानती है कि अंग्रेजों को कैसे परास्त करना है, खासकर घरेलू परिस्थितियों में जहां गेंद पकड़ती है, घूमती है और बल्लेबाजों को परेशान करती है। स्मृति मंधाना ने पिछले मैच में 66 गेंदों पर 80 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था, और प्रतीका ने उनका बखूबी साथ दिया। अगर वे फिर से अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इंग्लैंड का नया गेंदबाजी आक्रमण शुरुआत में ही मुश्किल में पड़ सकता है। उनके पीछे, मध्य क्रम-हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स और खुद हरमनप्रीत-को ऋचा घोष के डेथ ओवरों में तूफान लाने से पहले संयम बनाए रखना होगा।

अल्बानिया से हार के बाद सर्बिया ने राष्ट्रीय फुटबॉल कोच को किया बर्खास्त

बेलग्रेड, 18 अक्टूबर। सर्बिया फुटबॉल एसोसिएशन (एफएसएस) ने विश्व कप क्वालीफायर में अल्बानिया से 1-0 से हार के बाद राष्ट्रीय टीम के कोच ड्रैगन 'पिक्सी' स्टोजकोविच को बर्खास्त कर दिया है।

एफएसएस ने बताया कि स्टारा पाजोवा में कार्यकारी बोर्ड की बैठक के दौरान आपसी सहमति से स्टोजकोविच और उनके कोचिंग स्टाफ का चार साल का कार्यकाल समाप्त करने का फैसला लिया गया। अल्बानिया से हार के बाद इस सर्बिया टीम का अभियान लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है।

नवंबर में लंदन में इंग्लैंड और सर्बिया के लेस्कोवाक में लातविया के खिलाफ होने वाले क्वालीफायर से पहले एक नए मैनेजर की नियुक्ति की उम्मीद है। सर्बिया अब ग्रुप के में छह मैचों में 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, अल्बानिया के 11 अंकों से पीछे और अपराजित इंग्लैंड, जो एक बेहतरीन रिकॉर्ड के साथ ग्रुप में सबसे आगे है। केवल ग्रुप विजेता ही 2026 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करता है।

लक्ष्य सेन बाहर, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में

ओडेंसे, 18 अक्टूबर। भारत के लक्ष्य सेन ओडेंसे के जिस्के बैंक एरिना में पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल मैच हारने के बाद डेनमार्क ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

ओलंपिक्सडॉटकॉम के अनुसार, लक्ष्य के साथी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी डेनमार्क में पुरुष युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गए।

विश्व रैंकिंग में वर्तमान में 21वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन को कल विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के एलेक्स लेनियर ने 44 मिनट में 21-9, 21-14 से हरा दिया।

पिछले दौर में विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटनसन को हराने वाले 23 वर्षीय लक्ष्य को शुरुआत में पिछड़ने के बाद दोनों गेमों में वापसी करने में मुश्किल हुई। वह मैच के बीच के दो अंतरालों पर 11-5 और 11-4 से पीछे थे। इसके विपरीत, बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग ने इंडोनेशिया की गैर-वरीय जोड़ी मुहम्मद रियान अर्दियांतो-रहमत हिदायत को 65 मिनट में 21-15, 18-21, 21-16 से हराकर वर्ष के अपने आठवें सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी ने 17-16 से आगे निकलने के बाद लगातार चार अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम किया।

हालांकि भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने 10-4 से पिछड़ने के बाद दूसरे गेम में जोरदार वापसी करते हुए 17-17 की बराबरी कर ली, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने मजबूती से खेलते हुए निर्णायक गेम को मजबूर कर दिया।तीसरे गेम में, सात्विक और चिराग ने बराबरी की शुरुआत के बाद जल्दी ही नियंत्रण हासिल कर लिया और जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए लय बनाए रखी। आज इस जोड़ी का अगला मुकाबला जापान की दुनिया की 10वें नंबर की जोड़ी, ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से होगा। भारतीय जोड़ी जापानी जोड़ी के खिलाफ 4-1 की बढ़त के साथ अपने पहले मुकाबले में बढ़त बनाए हुए है। हालांकि, इन दोनों जोड़ियों के बीच आखिरी मुकाबला 2023 में हुआ था।

बारिश के कारण न्यूजीलैंड-इंग्लैंड मैच रद्द

क्राइस्टचर्च, 18 अक्टूबर। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। न्यूज़ीलैंड के लिए 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए खेल स्थानीय समयानुसार रात 11:18 बजे फिर से शुरू होना था, लेकिन रात 11:10 बजे तक लगातार बारिश के कारण पांच ओवर की दूसरी पारी भी संभव नहीं हो पाई और अधिकारियों को मैच रद्द करना पड़ा।

इससे पहले, इंग्लैंड की पारी शुरुआती सीजन की मुश्किल परिस्थितियों में तैयार हुई थी। पिच में थोड़ी पार्श्व गति थी और गेंद धीमी थी, जिससे स्ट्रोक लगाना मुश्किल हो गया था। इंग्लैंड, जिसे पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया गया था, ने ऊपरी क्रम में फिल साल्ट का विकेट सस्ते में गंवा दिया, जबकि जैकब बेथेल छह गेंदों के बाद अच्छी शुरुआत करने में सफल रहे। उन्होंने कुछ चौके लगाकर लय हासिल की, लेकिन आउट हो गए।

कप्तान हैरी ब्रूक ने दो छक्के और एक चौका जड़ा, लेकिन 14 गेंदों में 20 रन बनाकर जेम्स नीशम की एक कटर गेंद पर आउट हो गए, जो उनके पैड से टकराकर स्टंप्स पर जा लगी।

राजधानी

43 लाख 24 हजार रुपए के नकली नोट सहित पांच दबोचे

एक लाख असली के बदले चार लाख रुपए नकली नोट दे रहे थे आरोपी

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए राजधानी जयपुर के नारायण विहार थाना इलाके से 43 लाख 24 हजार रुपए के नकली नोट जब्त किए गए हैं। साथ ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। एसओजी की जांच में सामने आया कि आरोपित एक लाख असली के बदले चार लाख रुपए नकली नोट दे रहे थे। नकली नोटों की क्वालिटी इतनी बेहतर थी कि उन पर मौजूद सिक्योरिटी फीचर और वॉटर मार्क देखकर एसओजी की टीम भी चौंक गई। एसओजी की टीम इस गैंग पर पिछले 15 दिन से काम कर रही थी। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने नारायण विहार

एसओजी ने 43 लाख 24 हजार रुपए के नकली नोट जब्त किए।

थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए 43 लाख 24 हजार रुपए के नकली नोट सहित राजेन्द्र चौधरी (27) निवासी सांभर जिला जयपुर,शंकरलाल चौधरी (33) निवासी नरेना जिला जयपुर, मनोज उर्फ गणपति (30) निवासी बीकानेर,बलकरण उर्फ बलदेव (31) निवासी बीकानेर और मदनलाल सिंवार (28) निवासी बीकानेर को गिरफ्तार किया है।

- **जब्त किए नोटों की बड़ी खेप विभिन्न जगहों पर सप्लाई करने की योजना थी**

सिंह ने बताया कि एसओजी की टीम पिछले 15 दिनों से इस गैंग की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। जहां एसओजी की टीम को सूचना मिली थी कि जयपुर में त्योहारों के समय बड़ी मात्रा में नकली नोटों की सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर एसओजी और नारायण विहार थाना पुलिस ने एक फ्लैट में दबिश दी। जहां से नकली नोटों की खेप बरामद हुई।

रूप चतुर्दशी आज

जयपुर। पांच दिवसीय दीपोत्सव के दूसरे दिन रविवार को रूप चतुर्दशी मनाई जाएगी। धन लक्ष्मी के स्वागत के लिए गृह लक्ष्मी उबटन कर रुप संवारेंगी। हाथों पर मेहंदी लगाएंगी। शाम को दीपदान किया जाएगा। इसी कड़ी में गोविंद देवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी सानिध्य में पांच दिवसीय दीपोत्सव के अंतर्गत रूप चतुर्दशी

पर सौभाग्य पर्व मनाया जाएगा। सुबह आठ बजे महिलाओं के अखंड सुख-सौभाग्य की कामना के साथ ठाकुर जी का विशेष पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर नि:शुल्क महालक्ष्मी-गायत्री महायज्ञ भी होगा। तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली वैदिक विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराएगी। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि घर में सुख-समृद्धि, संपन्नता और दरिद्रता, रोग-शोक नाश के लिए श्री लक्ष्मी गायत्री महामंत्र से विशिष्ट हवन सामठी आहुतियां अर्पित कराई जाएंगी। श्रीवृद्धि के लिए कमल गट्टा और खीर से भी अग्नि देवता का आहुतियां प्रदान की जाएंगी।

धनतेरस पर बाजार हुए गुलजार

जयपुर। धनतेरस का पर्व शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। शनिवार को त्रयोदशी तिथि के साथ शनि प्रदोष व्रत का दुर्लभ महासंयोग और साथ में ब्रह्म योग के मणिकांचन संयोग में लोगों ने जमकर खरीदारी की। शुभ मुहूर्त में लोगों ने लक्ष्मी-गणेश मूर्तियां, सोना-चांदी, तांबा, कांसा, अष्टधातु के बर्तन, दीपक, हल्दी, धनिया और कमलगट्टे की खरीदारी की।

बर्तनों की दुकानों पर देर रात तक ग्राहकों की भीड़ उमड़ती रही। लोगों ने रोजमर्रा के काम में आने वाले बर्तन भी खरीदे। चांदी

मंदिरों में भगवान धन्वंतरि की विशेष पूजा-अर्चना की गई। ज्योतिषाचार्य डॉ महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि भगवान धन्वंतरि की उपासना से आर्थिक उन्नित, स्वास्थ्य लाभ और मानसिक शांति प्राप्त होती है।

धनतेरस पर श्रद्धालुओं ने संध्याकालीन प्रदोष वेला में शिव पूजन, शनि स्तोत्र और शिव चालीसा पाठ किया तथा तिल के तेल के दीपक से यम दीपदान किया। मंदिरों और घरों में भी दीये जलाए गए। शनि महाराज की कृपा प्राप्ति के लिए लोगों ने पीपल के वृक्ष के नीचे दीप प्रज्वलन किया। जरूरतमंदों को काले तिल और उड़द का दान किया। शनि प्रदोष होने के कारण शिवलिंग का जलाभिषेक किया। साथ में हनुमान जी महाराज की आराधना की। धनतेरस और दीपावली पर उपहार देने की परंपरा को देखते हुए बाजारों में गिफ्ट पैक्स की भरमार रही। 500 रुपए से लेकर 10 हजार रुपए तक के बजट फ्रेंडली और रॉयल गिफ्ट पैक ने ठाहकों को आकर्षित किए। बाजारों में काजू कतली, ड्राई फ्रुट्स और मिठाई के पैक्स की बिक्री जोरों पर रही। कई दुकानों ने ठाहकों की सुविधा के लिए आकर्षक पैकिंग वाले नए कलेक्शन भी लॉन्च किए।धनतेरस पर राजधानी के सभी बाजारों में रौनक देखने को मिली। शुभ मुहूर्त में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी आवश्यकता के अनुसार

धनतेरस पर दुकान पर बर्तनों की खरीददारी करते लोग।

खरीदारी की। शहर के प्रमुख बाजारों में दिनभर ठाहकों की भीड़ उमड़ने के कारण यातायात पुलिस को ट्रैफिक संभालने में मशक्कत करनी पड़ी। धनतेरस पर सभी बाजार आकर्षक रोशनी और सजावट से अलग ही छटा बिखेर रहे थे।

सोने और चांदी के भाव लगातार ऊंचे बने हुए हैं, बावजूद इसके ठाहकों का रुझान कम नहीं हुआ है। सर्राफा बाजारों में हल्की ज्वेलरी से लेकर निवेश योग्य सोना-चांदी की खरीददारी जमकर हुई। ज्वैलर्स ने बताया कि इस बार ठाहकों ने हल्के गहनों और सिक्कों की खरीदारी की। बाजार में नई डिजाइन की ज्वेलरी की मांग रही। वहीं इस साल जयपुर में चांदी के सिक्कों के साथ 20 ठााम के चांदी के लक्ष्मी-गणेश भी डिमांड में है। चांदी के मछली-हाथी भी इस साल ट्रेंड में है। जयपुर, जोधपुर, अलवर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर सहित तमाम जिलों के मार्केट में चहल-पहल है।

वहीं कार-बाइक और इलेक्ट्रिक सामान पर जीएसटी रेट कट का असर भी नजर आ रहा है। जयपुर में मोती डूंगरी मंदिर में करीब तीन हजार कार और बाइक पूजन के लिए पहुंची।

धनतेरस पर वाहन खरीदने की परंपरा को देखते हुए दोपहिया वाहनों के शोरूम पर विशेष रौनक दिखाई दी। हजारों की संख्या में ठाहकों ने अपनी पसंदीदा गाडिय़ों की बुकिंग पहले से ही करा दी थी। धन तेरस का गाड़ी प्राप्त की। सभी बड़े शोरूम को आकर्षक ढंग से सजाया गया। कंपनियों ने ऑफर भी खूब दिए।दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की मुहिम का असर बाजारों में साफ दिखाई दिया। मिट्टी के दीयों, मोमबत्तियों और हैंडमेड झालरों की खरीदारी जमकर हुई। युवाओं का कहना है कि इस बार वे चाइनीज झालरों की जगह स्वदेशी उत्पादों से घर सजाएंगे, ताकि स्थानीय कारीगरों की दीपावली भी रोशन हो सके।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस साल धनतेरस पर पूर्वाफाल्गुनी और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का योग बना। उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र शाम 5:09 बजे से प्रारंभ हुआ, जो सूर्य का प्रभावशाली नक्षत्र है और यह आत्मबल, व्यवसाय और समृद्धि बढ़ाने वाला माना गया। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को समुद्र मंथन के समय माता लक्ष्मी और धन्वंतरि देव प्रकट हुए थे। इसी कारण इस दिन को लक्ष्मी पूजन और आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल का कहना है है कि बाजार में माहौल अच्छा रहा।

रोशनी से जगमगाया गोविंद देवजी मंदिर

जयपुर। गोविंद देवजी मंदिर में धन तेरस को छह दिवसीय रोशनी का शुभारंभ हुआ। शाम होते ही पूरा मंदिर प्रकाशित हो उठा। रोशनी भैया दोज तक रहेगी। रूप चतुर्दशी पर शाम को ठाकुरजी को पीली लंपा पोशाक धारण कराई गई। शाम को दीपदान किया गया। रूप चतुर्दशी पर राधाजी का पूजन किया जाएगा। 20 अक्टूबर को गोविंद देवजी मंदिर में भारी दर्शनार्थी भीड़ को देखते हुए पुलिस और मंदिर प्रशासन ने निर्जला एकादशी की तर्ज पर विशेष दर्शन व्यवस्था की घोषणा की है।

रिलायंस डिजिटल की ''फेस्टिवल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स'' सेल में आकर्षक ऑफर और जीएसटी छूट का फायदा

मुंबई (का. स.)। त्योहारी सीजन में रिलायंस डिजिटल के ''फेस्टिवल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स'' सेल में ठाहकों को आकर्षक ऑफर, जीएसटी छूट, लीडिंग बैंक काड्र्स पर 20 हजार तक डिस्काउंट मिल रहे है। यह छूट रिलायंस डिजिटल, माय जियो और जियोमार्ट डिजिटल स्टोर्स और ऑनलाइन वेबसाइट पर उपलब्ध है।''फेस्टिवल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स'' सेल में नए गैजेट्स, जरूरी होम अप्लायंसेस जैसे - स्मार्ट टीवी, लैपटॉप्स, ए.आई. लैपटॉप, आईफोन, स्मार्ट ऑल-इन-वन वॉशर ड्रायर, एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर खरीदे जा सकते है। इस सेल में ठाहकों को बड़ी स्क्रीन पर बड़ी

- **किचन एंड होम अप्लायंसेस का 1 प्रोडक्ट खरीदने पर 5 प्रतिशत की छूट, 2 प्रोडक्ट्स खरीदने पर 10 प्रतिशत छूट मिलेगी**

डील्स दी जा रही है। जैसे कि टीसीएल का 85-इंच स्मार्ट टीवी खरीदने पर 1,19,990 रुपए में , 2 साल की वारंटी भी मिलेगी। इसी तरह 5.1 चैनल साउंडबार में अपठोशन मात्र 13,990 रुपए से शुरू है। लेनोवो का आइडिया पैड 5 एआई लैपटॉप मात्र 79,999 में खरीदने को मिलेगा, जिसके साथ 55-इंच टीवी बिल्कुल फ्री दिया जा रहा है। इसी तरह आईफोन 16 के साथ इंटेलिजेंस में अपठोडेशन मात्र 44,990 रुपए शुरू है। स्मार्ट एआई ऑल-इन-वन वॉशर ड्रायर 49990 रुपए से शुरू है। इसके साथ 7500 रुपए तक के उपहार फ्री दिए जा रहे है। किचन एंड होम अप्लायंसेस का 1 प्रोडक्ट खरीदने पर 5 प्रतिशत की छूट, 2 प्रोडक्ट्स खरीदने पर 10 प्रतिशत तथा 3 या उससे ज्यादा प्रोडक्ट्स खरीदने पर 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। 1 टन 3 स्टार इन्वर्टर स्प्लिट एयर कंडीशनर 17990 रुपए से शुरू है। प्रीमियम फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर 62,990 रुपए तथा साइड बाय साइड रेफ्रिजरेटर भी 44,990 रुपए से शुरू है।

अरुणेन्द्र को पीएचडी की उपाधि

अजमेर (कासं)। मालवांचल विश्वविद्यालय इन्दौर (मप्र) इंडेक्स कॉलेज में मेडिकल विभाग के अन्तर्गत स्टूडेंट अरुणेन्द्र कृष्ण झालोरियां ने कार्डियो-थोरैसिक शाखा कार्डियो-थोरेसिक ब्रांच के अन्तर्गत क्रोनिक पल्मोनरी रोग स्वसन सम्बन्धि रोग विषय पर पीएचडी पूरी की।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने किया पानी टंकी का लोकार्पण

- 1.10 करोड़ की लागत के 1400 किलोलीटर क्षमता वाले स्वच्छ उच्च जलाशय व पाइप लाइन का मिलान कार्य , 15 हजार परिवार को मिलेगा पानी
- विधानसभा अध्यक्ष देवनानी टंकी का लोकार्पण करते हुए

अजमेर (कासं)। पलटन बाजार स्थित राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल के पास 14 सौ किलो लीटर क्षमता की नई पानी की टंकी व पाइप लाइन का मिलान कार्य का लोकार्पण शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। इस योजना से करीब 15 हजार परिवारों को जल आपूर्ति का लाभ सुविधा पूर्वक मिलेगा।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि इस टंकी के माध्यम से शास्त्री नगर, लोहाखान, प्रताप नगर और कलेक्ट्रेट टंकी तक पानी सुगम से पहुंचेगा। पहले इन क्षेत्रों में कम दबाव के कारण लोगों को पेयजल समस्या का सामना करना पड़ता था। अब टंकी से पानी की सप्लाई शुरू होने के बाद पानी का प्रेशर बेहतर होगा और आपूर्ति में सुगमता आएगी। इस अवसर पर क्षेत्र में रहने वाली एक बालिका द्वारा देवनानी की बनाई गई पेंटिंग उन्हें सौपी। इस अवसर उन्होंने बालिका का हौंसला अफजाई भी की।

1.10 करोड़ की आए लागत: -जलदाय विभाग के अधिकारियों ने बताया कि टंकी 1.10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित की गई है, साथ ही 2.80 करोड़ रुपये की लागत से आसपास की कॉलोनियों में नई पाइप लाइनें बिछाई गई हैं, जिससे पानी की वितरण सुगम होगा और लोगों को कम प्रेशर की समस्या से निजात मिलेगी।

ईदगाह कॉलोनी में लोकार्पण 25 को :- देवनानी ने कहा कि शहर में जल आपूर्ति के ढांचे को मजबूत करने का कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में 25 अक्टूबर को ईदगाह कॉलोनी में भी एक नई पानी की टंकी का लोकार्पण किया जाएगा। इससे शहर के और क्षेत्रों में पेयजल समस्या कम होगी। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और निगम अधिकारियों ने कहा कि यह टंकी लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करेगी और गर्मी के मौसम में राहत देगी।

सरवाड़ उपखंड कार्यालय पर सौंपा ज्ञापन

सरवाड़, (निसं)। सरवाड शहर के दरगाह क्षेत्र मे रहकर वेश्यावृति को अंजाम देने वाली महिलाओ के आतंक ओर दादागिरी को लेकर शनिवार को न केवल शहर के मुस्लिम समाज मे आक्रोश फूट पड़ा बल्कि आक्रोशित लोगो ने जुलुस के रूप मे उपखण्ड मुख्यालय पहुंचकर आम मुस्लिम खिदमत समिति के सदर बाबू मोहम्मद गुराक के नेतृत्व मे उपखण्ड अधिकारी के नाम एक ज्ञापन देकर ऐसी महिलाओ को शहर से बाहर खडेदने की मांग की ज्ञापन मे बताया की शहर मे स्थित दरगाह क्षेत्र मे बाहर से आई हुई महिलाए भीख माँगने की आड़ मे दरगाह बाजार मे रहकर खुलेआम वेश्यावृति के घृणित कार्य को अंजाम दे रही है तथा वे नशा भी करती है और नवयुवकों को अपने जाल मे फसाकर उनसे रुपयों की मांग करती है एवं उनको रूपये नहीं देने पर वे उन्हें सबके सामने जलील करती है ऐसी महिलाए झूठी ओर मन घडन्त रिपोर्ट लिखवाकर ब्लात्कार एवं पोक्सो एक्ट मे थाने मे रिपोर्ट दर्ज करवाती है ज्ञापन मे बताया की ऐसी महिलाए दरगाह मे आने वाले जायरीन के साथ भी बदतमीजी करती है और इस दौरान शहर के किसी शरीफ आदमी द्वारा उन्हें ऐसा करने से मना किया जाता है।

स्टेशन पर एक और यात्री प्रवेश द्वार बनाने की मांग

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। नये रेल्वे स्टेशन पर एक और प्रवेश द्वार बनाने की मांग की है। रेल मंत्रालय द्वारा आयोजित अमृत संवाद कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्टेशनों की जनभागीदारी की चर्चा में भाग लेते हुए रेल्वे सलाहकार समिति सदस्य भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने उत्तर पश्चिम रेल्वे महाप्रबंधक अमिताभ से क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के लिये किशनगढ़ में भी दूसरा यात्री प्रवेश द्वार बनवाने को लेकर प्रभावी चर्चा के साथ तथ्यात्मक मांग पत्र पेश किया। उन्होंने बताया कि स्टेशन के दोनों तरफ आवासीय क्षेत्र में अधिकांश यानि नगर की तीन चौथाई आबादी क्षेत्र स्टेशन के दक्षिण की ओर बसी हुई है, जबकि स्टेशन का प्रवेश द्वार उत्तर दिशा में है, इसके चलते प्रवेश द्वार की ओर जाने के लिये स्टेशन के निकट बनाये गये भूमिगत मार्ग (अंडरपास) में नियमित जल भराव की स्थिति से क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पडता है। पाटनी ने रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता के लिये मैन्युअल सफाई व्यवस्था को अपर्याप्त बताते हुए मशीनीकृत (मैकेनाइज्ड) साफ सफाई की माकूल व्यवस्था कराने पर जोर देते हुए कहा की क्षेत्र के सभी रेल भूमिगत मार्ग में जल भराव की समस्या के स्थाई समाधान की अपेक्षा करते हुए पुराने स्टेशन परिसर में नवनिर्मित अंडरपास में भूमिगत जल रिसाव को निकालने के लिये डीवाटरिंग व्यवस्था की विभागीय जिम्मेदारी तय की जाये।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ/भवन /25-26/397 **आपत्ति सूचना** दिनांक : 17/10/25

श्री रजनीश त्यागी पुत्र श्री रामप्रकाश त्यागी निवासी 342 सुभाष नगर ब्यावर रोड अजमेर द्वारा एक प्लाट संख्या 4 व 5 जो किरानीपुरा के खसरा संख्या 160 का एक भाग है जो वाके मदार सेनीटोरियम के पास राजस्व ग्राम किरानीपुरा अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 451.50 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व - 30 फुट चौड़ा रास्ता उत्तर - डॉ. अशोक की सम्पति
पश्चिम - भार्गव साहब की सम्पति दक्षिण - जैन साहब की सम्पति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ/भवन /25-26/396 **आपत्ति सूचना** दिनांक : 17/10/25

श्री भूपेन्द्र जैन पुत्र श्री प्रमोद जैन निवासी 400/23 जे.के.एम. के लाल कोटी केसरगंज, अजमेर द्वारा एक सम्पति जो वाके मदार सेनीटोरियम मदार अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 228.90 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व - रास्ता आम उत्तर - रास्ता आम 40 फुट चौड़ा
पश्चिम - रास्ता आम 10 फुट चौड़ा दक्षिण - विक्रेता की सम्पति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

Tel.No: 01462-258665,257509 **आम सूचना** E-mail Id: npbeawar@gmail.com
क्रमांक : 69ए/2025-26/8688 दिनांक-14-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आशुतोष जोशी, रविन्द्र जोशी पुत्र श्री रमेश चन्द जोशी, श्री बाबूलाल जोशी पुत्र श्री पुखराज जोशी, श्री जितेन्द्र जोशी, श्री शिवेन्द्र जोशी पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण जोशी, निवासी ब्यावर ने 69 ए के तहत आवेदन प्रस्तुत कर नगर परिषद ब्यावर की सीमा में प्रा. नं. ए मेवाड़ी गेट, ब्रह्मानंद मार्ग ब्यावर में स्थित जायदाद क्षेत्रफल 167.47 वर्गमीटर का आवासीय पट्टा लेने बाबत आवेदन किया है। अतः उपरोक्त को आवासीय पट्टा विलेख जारी किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के 07 दिवस के अंदर-अंदर आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।
-आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

Tel.No: 01462-258665,257509 **आम सूचना** E-mail Id: npbeawar@gmail.com
क्रमांक : 69ए/2025-26/8657 दिनांक-13-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र जोशी, शिवेन्द्र जोशी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण जोशी व आशुतोष जोशी, रविन्द्र जोशी पुत्र श्री रमेशचन्द जोशी व बाबूलाल जोशी पुत्र श्री पुखराज जोशी निवासी सांकेत नगर, हाऊसिंग बोर्ड, ब्यावर ने 69 ए के तहत आवेदन प्रस्तुत कर नगर परिषद ब्यावर की सीमा में मेवाड़ी गेट बाहर, ब्रह्मानंद मार्ग, रामदेव जी के मंदिर के पास, ब्यावर में स्थित जायदाद पार्ट-बी क्षेत्रफल 170.52 वर्गमीटर का आवासीय पट्टा लेने बाबत आवेदन किया है। अतः उपरोक्त को आवासीय पट्टा विलेख जारी किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के 07 दिवस के अंदर-अंदर आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।
-आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान

सदर बाजार बद्री घाट के पास पुष्कर
क्रमांक- न.पा.पु./भूमि/2025/412 **उजरदारी सूचना** दिनांक : 16-10-25

निम्न आवेदक ने अपनी वसीयत/क्रयशुदा/बख्शीसशुदा/आवंटित सम्पत्ति के नामान्तरण हेतु नगर परिषद पुष्कर में आवेदन किया है जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि को उक्त कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर ठोस सबूत मय दस्तावेज के साथ नगर परिषद पुष्कर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई आपतित मान्य नहीं होगी एवं परिषद द्वारा अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।

क. सं.	आवेदक के नाम व सम्पति पता	चतुर्थ सीमा	
1	श्री रवि दग्दी एवं यश दग्दी पुत्रगण श्री त्रिलोकचन्द दग्दी पता प्लाट नं. डी 2 क्षेत्रफल 200 वर्गगज पारिक कॉलोनी पुष्कर अजमेर	पूर्व- रोड पश्चिम- प्लाट ई 2	उत्तर- प्लाट डी 3 दक्षिण- प्लाट डी

आयुक्त, नगर परिषद पुष्कर

कार्यालय ग्राम पंचायत माकड़वाली प.स. अजमेर ग्रामीण

क्रमांक-ग्रा.पं.मा./2025/841 दिनांक :-16.10.2025

आबादी भूमि के प्रस्तावित वाणिज्यिक संपरिवर्तन के आक्षेप आमंत्रित करने का नोटिस

ग्राम पंचायत माकड़वाली प.स. अजमेर ग्रामीण जिला परिषद अजमेर में निम्नलिखित (आबादी) आवासीय पट्टा भूमि को राज.प.राज. के नियम 173-क के तहत वाणिज्यिक संपरिवर्तन हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया गया है-

क्रम संख्या	नाम आवेदक/पिता/पति का नाम	ग्राम	आवासीय पट्टा संख्या/जारी दिनांक	प्रस्तावित संपरिवर्तन क्षेत्रफल
01	अनिता देवी/मुकेश नाथ	लोहागल	30/06.09.2013	106.67 वर्ग गज
02	रामप्यारी/मोबानाथ	लोहागल	30/06.09.2013	100.06 वर्ग गज

उपरोक्त आवासीय पट्टा भूमि शास्त्रीनगर-जनाना अस्पताल मुख्य सड़क पर स्थित है तथा अजमेर नगरीय मास्टर प्लान अनुसार ग्राम लोहागल आबादी भूमि क्षेत्र में उक्त सड़क की चौड़ाई 160 फीट होने के कारण उक्त सड़क की मध्य रेखा से 80 फीट छोड़कर ही उपरोक्त संपरिवर्तन प्रस्तावित है।

इस बाबत अजमेर नगरीय निकाय/अजमेर विकास प्राधिकरण के साथ-साथ आमजन को यदि ऊपर उल्लेखित संपरिवर्तन पर कोई आपति हो तो इस नोटिस प्रकाशन से एक माह के भीतर अपने आक्षेप इस कार्यालय में फाइल कर देने चाहिए, बाद मियाद किसी तरह की मौखिक/लिखित आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

महावीर प्रसाद
ग्राम विकास अधिकारी

पूजा गुर्जर
सरपंच

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ/भवन /25-26/394 **आपत्ति सूचना** दिनांक : 17/10/25

श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री अशोक कुमार निवासी प्लाट नं. 116 माधव नगर गली नं. 1 वैशाली नगर अजमेर द्वारा एक सम्पति जो ए.एम.सी. नं. 334-ए/3 जो वाके लौंगिया मौहल्ला अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 79.89 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व - आम रास्ता है उत्तर - गली व उसके बाद कोडूमल पेरूमल की सम्पति है
पश्चिम - आम रास्ता है दक्षिण - आम रास्ता है

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जावेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

Tel.No: 01462-258665,257509 **आम सूचना** E-mail Id: npbeawar@gmail.com
क्रमांक : 69ए/2025-26/8655 दिनांक-13-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र जोशी, शिवेन्द्र जोशी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण जोशी व आशुतोष जोशी, रविन्द्र जोशी पुत्र श्री रमेशचन्द जोशी व बाबूलाल जोशी पुत्र श्री पुखराज जोशी निवासी सांकेत नगर, हाऊसिंग बोर्ड, ब्यावर ने 69 ए के तहत आवेदन प्रस्तुत कर नगर परिषद ब्यावर की सीमा में मेवाड़ी गेट बाहर, ब्रह्मानंद मार्ग, रामदेव जी के मंदिर के पास, ब्यावर में स्थित जायदाद पार्ट-सी क्षेत्रफल 170.52 वर्गमीटर का आवासीय पट्टा लेने बाबत आवेदन किया है। अतः उपरोक्त को आवासीय पट्टा विलेख जारी किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के 07 दिवस के अंदर-अंदर आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।
-आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

NAME CHANGE

I Army No.14846981L, NK, Chaudhari Yogeshkumar Madhubhai, Residing at Basana, Visngar, Mahesana, GJ 384001 have change my daughter's name from Chaudhari Neerja Yogesh Kumar to Chaudhari Neerja Yogeshkumar at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Army No.18017504Y, SPR, Ravindra Singh Karayat R/o Tak karayat, Karan karayat, Lohaghat, Champawat, U.K. 262524 have change my father name from Madan Singh Karayat to Madan Singh & my mother name from Gita Karayat to Geeta Devi at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Army No.14846981L, NK, Chaudhari Yogeshkumar Madhubhai, Residing at Basana, Visngar, Mahesana, GJ 384001 have change my Son's name from Chaudhari Ridham Yogesh Kumar to Chaudhari Ridham Yogeshkumar at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Army No.15703060Y, HAV, Munna Yadav Residing at Chand diyar, Bairia, Ballia, U.P. 277214 have change my daughter's name from Kumari Prachi to Prachi Yadav affidavit no.CA 839093 dt 16/10/2025 at court campus Nasirabad

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रविन्द्र सिंह पुत्र श्री हरि सिंह ग्राम घूघरा के खसरा नम्बर 339 पुराना 322 324, 319 / 3899 नया भूखण्ड संख्या 17 में क्षेत्रफल 100 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के सम्बन्ध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के सम्बन्ध में आपति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी।

उपायुक्त (उत्तर)
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

LSG/BEAWAR/MUT/156243
DATE :- 14.10.2025 रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /8838 दिनांक-16/10/2025

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती गेंदा देवी उर्फ गीता देवी पत्नी श्री सत्य नारायण जी, निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 8/चम्पा नगर गली नं. 2 मकान नं. 27 का भाग क्षेत्रफल 125.83 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्रीमती सुशीला पत्नी श्री केदारमल जी के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि बेचान-नामा दिनांक 21.04.1986 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/157154
DATE :- 17.10.2025 रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /8885 दिनांक-17/10/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री राजेश शर्मा पुत्र श्री कृष्णगोपाल निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 6/बृजमोहन शर्मा नगर फतेहपुरिया दोयम खसरा नं. 794 795 796 797 802 803 810 मिन मकान नं. 129 क्षेत्रफल 180.00 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री कृष्णगोपाल शर्मा पुत्र री बृजमोहनलाल जी के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि हक-परित्याग दिनांक 04.09.2025 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री लिखमाराम थोरी पुत्र अणदा राम थोरी ग्राम घूघरा के खसरा नम्बर 886 पुराना 504, 518 नया भूखण्ड संख्या 35 में क्षेत्रफल 261.66 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के सम्बन्ध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के सम्बन्ध में आपति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी।

उपायुक्त (उत्तर)
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

LSG/BEAWAR/MUT/157157
DATE :- 16.10.2025 रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /8886 दिनांक-17/10/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री हरिश शर्मा पुत्र श्री कृष्णगोपाल निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 6/बृजमोहन शर्मा नगर फतेहपुरिया दोयम खसरा नं. 794 795 796 797 802 803 810 मिन मकान नं. 128 क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री कृष्णगोपाल शर्मा पुत्र री बृजमोहनलाल जी के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि हक-परित्याग दिनांक 04.09.2025 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/157189
DATE :- 17.10.2025 रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /8888 दिनांक-17/10/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री विकास कुमार बाकलिवाल पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार निवासी पुना ने क्षेत्र नं. 1/सार्वेक्षवर नगर विस्तार प्लाट/मकान नं. 39 क्षेत्रफल 191.31 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री जमीत सिंह पुत्र श्री मालिका सिंह के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि-बेचान नामा दिनांक 02.07.2025, 22.05.2009, 05.07.2008, 16.01.2008, 17.12.2004 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। -आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

कार्यालय नगरपालिका सरवाड़ जिला-अजमेर, (राज0)

E-mail. npsarwad@gmail.com Address Ajmer Kota Road Sarwar PH.No. 01496-230034

क्रमांक : न.पा.स./आम सूचना/2025-26/3340 दिनांक : 16.10.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों/संस्था द्वारा अपने पुश्तैनी आवास, क्रयशुदा आवास, जायदाद, अनुमोदित योजना के क्रयशुदा भूखण्ड/आवास का नियमन, पट्टा, भवन निर्माण स्वीकृति, नामान्तरण, उपविभाजन, पुनर्गठन, खांचा भूमि, भूमि आवंटन हेतु पट्टा प्राप्त कस्ने के लिए नगर पालिका सरवाड़ में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसका विवरण निम्नप्रकार से है। उक्त बाबत् किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 3 दिवस में मय सबूत के लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद प्राप्त आपत्ति मान्य नही होगी एवं एकतरफा कार्यवाही कर दी जायेगी :-

क्र.सं.	नाम आवेदक मय पता	पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	क्षेत्रफल (वर्गगज)	स्थान	प्रयोजन
1	श्रीमती गौरा देवी पत्नी चन्द्रनारायण शर्मा निवासी सरवाड़	आम रास्ता	भूखण्ड सं. सी-02	भूखण्ड सं. सी-12	भूखण्ड सं. सी-10	133.33	श्री शंकर कॉलोनी भू.सं. सी-11	लीज होल्ड से फ्री होल्ड
2	श्री हरिमोहन शर्मा पुत्र बिटठल दास वैद्य निवासी सरवाड़	आम रास्ता	भूखण्ड सं. सी-03	भूखण्ड सं. सी-11	भूखण्ड सं. सी-09	133.33	श्री शंकर कॉलोनी भू.सं. सी-10	लीज होल्ड से फ्री होल्ड
3	श्रीमती रेखा शर्मा पत्नी प्रमोद शर्मा निवासी ग्राम दौलतपुरा प्रथम तह. बिजयनगर	अन्य कृषि भूमि	आम रास्ता	आम रास्ता	भूखण्ड सं. 05	103.33	महावीर कॉलोनी भू.सं. 04	नामान्तरण
4	श्री पदम कुमार जैन पुत्र ताराचन्द जैन निवासी ग्राम खीरियां तह. सरवाड़	आम रास्ता	आम रास्ता	राजकुमार धूपड़ व शैलेन्द्र जैन का भूखण्ड	अशोक शर्मा व अजय पारीक का मकान	114.61	हाई स्कूल रोड़	नामान्तरण
5	श्रीमती वन्दना पत्नी शिवप्रसाद सोनी निवासी सरवाड़	भूखण्ड सं. 04-बी	भूखण्ड सं. 03	आम रास्ता	सरकारी गली	46.66	आदिनाथ कॉलोनी भू.सं. 04-ए	नामान्तरण

अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका सरवाड़

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटड़ा योजना के आवासीय/भूखण्ड संख्या 2 क्षेत्रफल 136.11 वर्ग मीटर के आवंटी/अन्तरिति स्व. सत्यनारायण शर्मा पुत्र मिट्ठूलाल शर्मा निवासी ए-31 मानसरोवर वैशाली नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 27/4/2021 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः 1. श्रीमती सीमा शर्मा पत्नि स्व. सत्यनारायण शर्मा 2. ऋषि शर्मा 3. हिमांशु शर्मा पुत्रगण स्व. सत्यनारायण शर्मा निवासी ए-31 मानसरोवर कॉलोनी वैशाली नगर अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामांतरण किये जाने के सम्बंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें । उक्त नियत अवधि के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामांतरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी,अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टेलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल npvijaynagar@gmail.com
क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4360 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक : 17-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने 69-ए के तहत पालिका को आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेंगे। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं.	मकान मालिक का नाम	मौहल्ले का नाम	क्षेत्रफल
28	1. मंगल गुर्जर पुत्र छोटू गुर्जर 2. गोपाल गुर्जर पुत्र छोटू गुर्जर	आबादी मौहल्ला पावर हाउस के पास बिजयनगर	71.86 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

क्रमांक- न.पा.बि./निर्माण स्वी./2025/4367 **आम सूचना** दिनांक : 17-10-25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
128	निहालचंद पुत्र कांतिलाल मुणोत	नवकार रेजीडेंसी बरल द्वितीय ख.सं. 1338 भू.सं. ए-41	139.35 SQ.MTR	आवासीय
129	निहालचंद पुत्र कांतिलाल मुणोत	नवकार रेजीडेंसी बरल द्वितीय ख.सं. 1338 भू.सं. ए-42	111.48 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक- नियमन/2025-26/1628 **लोक सूचना** दिनांक : 17-10-25

निम्नांकित खातेदारों ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

क. सं.	आवेदक का नाम	ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	ग्यारसी पुत्री कानाराम पति राजेश हिस्सा पूर्व जाति भांबी निवासी पानी की टंकी के पास, मेडिया तहसील ब्यावर खातेदार	टीकराना मकराना	99	0.1821 हेक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90(क) और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष के समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 17.10.2025 को जारी की गई।

प्राधिकारी अधिकारी, नगर परिषद ब्यावर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

गाँधी नगर शाखा, 9-एस, प्रहलादका कॉम्पलेक्स, बसंत विहार गाँधी नगर, सर्किट हाउस के सामने, भीलवाड़ा, राजस्थान
मोबाईल: 9358005169, ई-मेल: gnbhil@bankofbaroda.com

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8 (1) देखे)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **श्रीमती अफसर कुरेशी पत्नी श्री लुकमान कुरेशी** एवं सह-ऋणी **श्री लुकमान कुरेशी पुत्र श्री कमरूदीन** एवं जमानतदार **श्री शरीफ मोहम्मद नीलगर पुत्र श्री जमालुदीन नीलगर** पर **मांग सूचना दिनांक 30.07.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 30.07.2025 को बकाया राशि रू. 22,66,031.66 (रूपये बाईस लाख छियासठ हजार इकतीस एवं पैसे छियासठ मात्र) (दिनांक 30.07.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने दिनांक **15, माह अक्टूबर, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 30.07.2025 को बकाया राशि रू. 22,66,031.66 (रूपये बाईस लाख छियासठ हजार इकतीस एवं पैसे छियासठ मात्र) (दिनांक 30.07.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा, गाँधी नगर शाखा, 9-एस, प्रहलादका कॉम्पलेक्स, बसंत विहार, गाँधी नगर, सर्किट हाउस के सामने, भीलवाड़ा, राजस्थान** के प्रभार के अधीन होगा।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्रीमती अफसर कुरेशी पत्नी श्री लुकमान कुरेशी के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो एफ-151/1, डॉ. राधा कृष्ण नगर (आर के कॉलोनी), भीलवाड़ा, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1375 वर्ग फीट है। **सीमाएं-** उत्तर: मकान /प्लॉट नं. एफ-151, दक्षिण: मकान /प्लॉट नं. एफ-152, पूर्व: मकान /प्लॉट नं. ई-172, पश्चिम: रोड़

स्थान: भीलवाड़ा हस्ता.
दिनांक: 15.10.2025 प्राधिकृत अधिकारी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने 72 लाख किसानों को चौथी किश्त हस्तांतरित की

नदबई में आयोजित समारोह में उन्होंने 718 करोड़ रूपए की राशि ट्रॉंसफर की

भरतपुर/जयपुर, 18 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान हमारे राष्ट्र निर्माता और भारत की आत्मा हैं। कृषक जब अपने खेतों में दिन-रात मेहनत करता है, तभी हमारी थाली में भोजन आ पाता है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता शब्द समाज में किसान के सम्मान, गरिमा और महत्व को दर्शाता है। हमारा किसान समृद्ध होगा तो देश और प्रदेश भी विकसित होगा, इसलिए राज्य की डबल इंजन सरकार किसानों

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य केवल उत्पादकता बढ़ाना नहीं, बल्कि फसल विविधीकरण, सिंचाई व्यवस्था में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना है।**

की समृद्धि के लिए दिन-रात कार्य कर रही है।

शर्मा ने शनिवार को भरतपुर के नदबई में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्य के लगभग 72 लाख किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चौथी किस्त के रूप में लगभग 718 करोड़ रुपये की राशि का हस्तान्तरण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत पौने दो साल में किसानों को 7 हजार 31 करोड़ रुपये से अधिक दिए जा चुके हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 6 हजार के अतिरिक्त 3 हजार की राशि अलग से प्रदेश के किसानों को देती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को नदबई में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 72 लाख किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चौथी किस्त हस्तान्तरित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई पीएम धन धान्य कृषि योजना का उद्देश्य केवल उत्पादकता बढ़ाना ही नहीं, बल्कि फसल विविधीकरण, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना भी है। शर्मा ने किसानों को परम्परागत खेती के साथ ही, आधुनिक खेती भी अपनाने का आ ान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। वर्तमान में 22 जिलों के किसानों को सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की सौगात दी। पशुपालकों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की तथा किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से वीसी के माध्यम से जुड़े लाभार्थी किसानों के साथ संवाद भी किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर स्थानीय लोक कलाकारों ने बम नगाड़ा बजाकर उनका स्वागत किया।

जैसलमेर बस हादसे में इलाज के दौरान 23वीं मौत

जैसलमेर, 18 अक्टूबर (नि.सं.)। जैसलमेर में बस में भीषण आग की घटना में गंभीर रूप से झुलसे युवक की जोधपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में अब तक 23 जनों की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि गत दिनों जैसलमेर से जोधपुर जारही एक निजी बस में आग लग गई थी।

हादसे में रामदेवरा थाना क्षेत्र के एका निवासी महिपाल सिंह (19) पुत्र नगसिंह

- **गंभीर रूप से झुलसे युवक को कार चालक ने नहीं बैठाया, फिर बाइक सवार ने इसे अस्पताल पहुँचाया था।**

भाटी भी गंभीर रूप से झुलस गए। युवक का जोधपुर में उपचार चल रहा था। शनिवार को दोपहर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। महिपाल सिंह का एक वीडियो भी वायरल हुआ है कि कैसे उसने झूलसी अवस्था में सड़क पर मदद भी मांगी थी, लेकिन किसी ने सहायता नहीं की। एक कार में सवार हुआ तो चालक ने उसे नीचे उतार दिया था। इसके बाद एक मोटरसाइकिल चालक ने उसे जैसलमेर के जवाहिर अस्पताल पहुंचाया था। महिपाल ने इस घटना की जानकारी अस्पताल में परिजनों को भी दी थी।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीट बंटवारे को लेकर स्पष्टता की कमी की खबरें सामने आई थीं। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस और राजद के बीच सीट-बंटवारे पर सहमति बन गई है और दोनों दलों में किसी प्रकार का विवाद नहीं है। हालांकि, मतभेद राजद और अन्य सहयोगी दलों, विशेष रूप से मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी के साथ अभी भी बने हुए हैं।

जल्दी ही भारत में होगा, 6जी नेटवर्क

- **केन्द्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 6जी रिसर्च में भारत काफी आगे है। यह नेटवर्क अब तक सबसे अलग होगा।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। केन्द्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यहाँ आयोजित एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में कहा कि आने वाला 6जी नेटवर्क पूरी तरह से अलग होगा, यह न सिर्फ 5जी और 4जी से, बल्कि अब तक के सभी नेटवर्कों से भिन्न तकनीक पर आधारित होगा।

उन्होंने कहा, 2जी तक नेटवर्क की पूरी तरह अलग संरचना थी, फिर 3जी उसी पर आधारित हुआ। 4जी की आर्किटेक्चर काफी अलग थी, और 5जी को 4जी पर बनाया गया। लेकिन 6जी पूरी तरह से एक नई सोच पर आधारित नेटवर्क होगा, एक ऐसा नेटवर्क होगा, जो खुद सोच सकेगा।

वैष्णव ने आगे कहा, "6जी एक सॉफ्टवेयर-आधारित नेटवर्क होगा, जो पूरे सिस्टम में निरंतर रूप से उपलब्ध रहेगा। आज हम नेटवर्क को टावर और मोबाइल डिवाइस के रूप में देखते हैं, लेकिन कल जो भी चीज़ आपके हाथ में होगी, वह नेटवर्क का हिस्सा होगी।"

उन्होंने बताया कि भारत ने 6जी अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है और उद्योग व शैक्षिणक संस्थानों के घनिष्ठ सहयोग से एक 6जी परिषद (काउंसिल) गठित की गई है।

मंत्री ने कहा, "यह पूरी तरह उद्योग और अकादमिक जगत द्वारा संचालित पहल है। मेरा अब दूरसंचार मंत्रालय से सीधा संबंध नहीं है, लेकिन मुझे बताया गया है कि अब तक हमारे पास करीब 60 से अधिक 6जी पेटेंट हैं और यह संख्या तेज़ी से बढ़ रही है।

गरीब रथ में आग लगी

अमृतसर, 18 अक्टूबर। पंजाब के अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन में शनिवार सुबह आग लगने से यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, पंजाब के सरहिंद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12204 अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस के कोच में आग लग गई। घटना का

- **अमृतसर से सहरसा जा रही ट्रेन के कुछ एसी कोच में सुबह 7.30 बजे आग लग गई।**

समय सुबह 7:30 बजे बताया जा रहा है।बताया जा रहा है कि आग की चपेट में ट्रेन के 2-3 एसी कोच आए हैं। आग की चपेट में आने से एक महिला के झुलने की भी बात सामने आ रही है।

रेलवे की तरफ से बताया गया है कि ट्रेन सं 12204 अमृतसर सहरसा गरीब रथ में भटिंडा स्टेशन से गुजरते समय आग देखी गयी। त्वरित कार्यवाही करते हुए गाड़ी को रोककर आग बुझायी गयी। इस दौरान एक यात्री को हल्की चोट लगी है।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हमलों में तीन क्रिकेटरों सहित आठ की मौत

काबुल, 18 अक्टूबर। अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में शुक्रवार रात पाकिस्तानी हवाई हमलों में तीन स्थानीय क्रिकेटरों सहित आठ लोगों की मौत हो गई।

सुरक्षा अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सदस्यों के अनुसार उरगोन जिले में यह हवाई हमला शुक्रवार देर रात हुआ जिसमें सात अन्य लोग घायल हो गये हैं। खिलाड़ियों की पहचान कबीर, सिघबतुल्लाह और हारून के रूप में की गयी है।

बोर्ड के अनुसार जब यह हमला हुआ, तब खिलाड़ी प्रांतीय राजधानी शरण में एक दोस्ताना क्रिकेट मैच खेलकर घर लौट रहे थे। बोर्ड ने एक बयान में इन मौतों को अफगानिस्तान के खेल समुदाय के लिए एक बड़ी क्षित बताया और पीड़ितों के परिवारों और टीम के साथियों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

- **अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि शुक्रवार देर रात यह हमला हुआ, उस समय खिलाड़ी एक दोस्ताना मैच खेल कर घर लौट रहे थे।**

एसीबी ने शोक और विरोध के प्रतीक के रूप में नवंबर के अंत में होने वाली आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला से हटने की घोषणा की है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल था। यह हमला दोनों देशों के बीच विशेष रूप से पक्तिका और खोस्त प्रांतों में सीमा पार झड़पों में तेजी से वृद्धि के बीच हुआ है।

भाजपा से गठबंधन नहीं करेंगे- उमर अब्दुल्लाह

जम्मु कश्मीर के मु.मंत्री उमर ने अपनी सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर कहा

श्रीनगर, 18 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी।

अब्दुल्ला ने अपनी सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस राज्य में भाजपा के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी भी हालत में भाजपा से हाथ नहीं मिलाएगी। वर्ष 2015 में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और भाजपा के बेमेल गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर को बर्बादी के कगार पर ला खड़ा किया था। हम आज भी इसके दुष्परिणाम भुगत रहे हैं। मैं वह गलती नहीं दोहराने वाला, जो दूसरों ने की थी।

उन्होंने कहा कि मंत्रिपरिषद में कुछ और मंत्रियों को शामिल किये जाने की संभावना है। उन्होंने कहा, यह मामला मेरे विचाराधीन है। उपचुनाव संपन्न होते ही हम मंत्रिमंडल विस्तार करेंगे।

अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार वर्तमान में कुछ संवैधानिक प्रतिबंधों के तहत काम कर रही है, क्योंकि यह एक केंद्र प्रशासित क्षेत्र है। मंत्रियों की संख्या सीमित कर दी गयी है।

- **उन्होंने कहा, वर्ष 2015 से पीडीपी व भाजपा बेमेल गठबंधन राज्य को बर्बादी के इस कगार पर ला दिया है, मैं वह गलती नहीं दोहराने वाला।**

उन्होंने कहा, यह मानना गलत है कि जब तक कोई व्यक्ति मंत्री नहीं बनता, वह अपने क्षेत्र के लिए काम नहीं कर सकता। मैं सिर्फ गंदेरबल का मुख्यमंत्री नहीं हूं, बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर का मुख्यमंत्री हूं। इसी तरह सकीना बेगम सिर्फ नूराबाद की मंत्री नहीं हैं, बल्कि पूरे राज्य की सेवा कर रही हैं।

अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस मुद्दे को पहलगाम की घटना से जोड़ा जा रहा है। इस घटना के लिए न तो चुनी हुई सरकार ज़िम्मेदार थी और न ही आम जनता ने इसका समर्थन किया। हमले में शामिल लोग जम्मू-कश्मीर के नहीं थे।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में भाजपा को अपने वादे पर ईमानदार होना चाहिए। भाजपा ने कभी नहीं कहा था कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा तभी बहाल होगा, जब वह सत्ता में आयेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, अगर उनकी यही मंशा है, तो उन्हें जनता के सामने खुलकर कहना चाहिए कि जब तक

गैर-भाजपा सरकार रहेगी, राज्य का दर्जा बहाल नहीं होगा। फिर जनता खुद तय करेगी कि क्या करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा अपने घोषणापत्र में जनता से किये गये वादे पांच साल की अवधि में पूरे किये जायेंगे। उन्होंने कहा, कुछ मुश्किलें ज़रूर हैं, लेकिन हमने जो भी वादे किये थे, उन्हें अपने कार्यकाल में पूरा किया जायेगा। चाहे 12 गैस सिलेंडर देने हों, या राशन कोटा बढ़ाना हो, ये सभी परियोजनायें चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही हैं।

दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। दिल्ली में दिवाली से पहले ही लोगों का प्रदूषण से दम घुटने लगा है। दिल्ली में शनिवार सुबह कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह 11 बजे तक आनंद विहार में सबसे अधिक वायु गुणवत्ता

- **विशेषज्ञों ने एन- 95 या डबल सर्जिकल मास्क पहनने की सलाह दी।**

सूचकांक (एक्यूआई) 387 दर्ज किया गया, जोकि बहुत खराब श्रेणी है। बवाना में एक्यूआई 312 दर्ज किया गया।

बढ़ ते वायु प्रदूषण के बारे में चिंता जताते हुए, गाजियाबाद के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. शरद जोशी ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, "एक्यूआई में काफी वृद्धि हुई है। यह सीओपीडी, अस्थमा या तपेदिक जैसे रोगों का इतिहास रखने वाले लोगों के लिए श्वसन संबंधी समस्याओं को बढ़ाता है, जिससे खांसी, बुखार, सांस फूलना और सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।" उन्होंने खराब वायु गुणवत्ता से बचाव के लिए सभी को बाहरी गतिविधियों के दौरान एन-95 या डबल सर्जिकल मास्क पहनने की सलाह दी है।

महागठबंधन में "फ्रैंडली फाइट" के आसार बढ़े

लगभग एक दर्जन सीटों पर घटक दल आमने सामने हैं

पटना, 18 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद भी शुक्रवार को महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जद्दोजहद जारी रही है और इस मुद्दे पर उसके घटकों के बीच 'फ्रेंडली फाइट' के आसार बन रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेता अपने उम्मीदवारों के नामांकन में भाग लेने के साथ जोर शोर से चुनाव प्रचार में हिस्सा ले रहे हैं।

महागठबंधन में लगातार गतिरोध के बीच घटक दलों ने लगभग एक दर्जन सीटों पर एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतारे दिए हैं। राजनीतिक गलियारों में इसे 'फ्रेंडली फाइट' की संज्ञा दी जाती है। जिन क्षेत्रों में महागठबंधन दोस्ताना लड़ाई को तैयार दिख रहा है. उनमे वैशाली,

- **नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि समाप्त होते ही महागठबंधन के नेता प्रचार में जुट गए हैं।**

कहलगांव, वारिसलीगंज, गुआरा-बोराम, बछवाड़ा, राजपाकर, रोसड़ा और बिहार-शरीफ शामिल हैं।

बछवाड़ा में, सीपीआई उम्मीदवार अवधेश राय और कांग्रेस उम्मीदवारगरीब दास ने महागठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। यही स्थिति अन्य सीटों पर भी है जहाँ महागठबंधन के घटक दलों के उम्मीदवार एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं।

महागठबंधन में सबसे आश्चर्यजनक और दिलचस्प बात यह है कि राजद ने राज्य के औरंगाबाद जिले की कुटुम्बा सीट से बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी (बीपीसीसी) के अध्यक्ष राजेश राम के खिलाफ उम्मीदवार उतारा है। राम ने चेतावनी दी है कि वह किसी भी कीमत पर कुटुम्बा से चुनाव लड़ेंगे और राजद के लिए यह सीट छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है।

राम ने आज कहा कि "मुझे दलित नेता होने के कारण परेशान किया जा रहा है, लेकिन मैं अपनी बात से पीछे नहीं हटूँगा और कुटुम्बा सीट से ज़रूर चुनाव लडूँगा।" उन्होंने महागठबंधन के घटकों के बीच कई निर्वाचन क्षेत्रों में सीटों के बंटवारे और एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतारने को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव समन्वय समिति के अध्यक्ष हैं और वह इस मुद्दे पर गौर करेंगे।

बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता आनंद माधव ने उम्मीदवारों को टिकट आवंटन में पक्षपात के विरोध में पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि कई वास्तविक उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिए गए और जो दो-तीन दिन पहले पार्टी में शामिल हुए थे, उन्हें टिकट दे दिया गया। उन्होंने पार्टी में इस स्थिति के लिए बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावेरु को जिम्मेदार ठहराया।

केंद्रीय मंत्री और लोकजनशक्ति पार्टी (राजविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने महागठबंधन का उपहास करते हुए कहा कि इसके घटक दल आपस में ही लड़ रहे हैं। उनके पास बिहार के लिए कोई कार्यक्रम और दृष्टिकोण नहीं है और वे केवल सत्ता की चाह में एक मंच पर हैं।

बिहार में मुसलमानों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

390 मुस्लिम विधायक चुने, जो कुल विधायकों का मात्र 7.8 प्रतिशत है। वर्ष 2020 के पिछले चुनाव में केवल 19 मुस्लिम विधायक चुने गए थे।

विशेषज्ञों के अनुसार, मुस्लिम मतदाताओं के प्रभाव में आई कमी का सबसे बड़ा कारण मुस्लिम वोटों का बँटवारा है। वर्ष 2020 के चुनाव में राजद ने 17 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से केवल आठ ही जीत सके। वर्ष 2010 और 2015 में मुस्लिम मतदाताओं का एक वर्ग नीतीश कुमार की जदयू के साथ था, लेकिन वर्ष 2020 में जदयू के सभी 11 मुस्लिम उम्मीदवार हार गए। इसके विपरीत, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पाँच उम्मीदवार जीते, जिनमें से चार बाद में राजद में शामिल हो गए। इसी तरह, बसपा के टिकट पर जीता एकमात्र मुस्लिम विधायक बाद में जदयू में चला गया।

आगामी महीने में होने वाले चुनावों में कई नई पार्टियाँ मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने 40 मुस्लिम उम्मीदवार उतारने का वादा किया है और उनमें से 21 के नाम पहले ही घोषित कर दिए हैं। वहीं, एआईएमआईएम भी मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने की ज़्यादा कोशिश कर रही है। निचोड़ यह है: अगर मुस्लिम वोटों में विभाजन होता है, तो उसका सीधा लाभ एनडीए गठबंधन को मिलने की संभावना है।

'पाकिस्तान एक शांतिप्रिय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बयानबाज़ी से न तो डरेंगे, न ही दबेंगे, और किसी भी छोटे से छोटे उकसावे का भी निर्णायक जवाब देंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं ने हालिया संघर्ष के दौरान "शानदार पेशेवर योग्यता" और "दूरगामी सामरिक क्षमता दिखाई है, और "संख्यात्मक दृष्टि से बड़े दुश्मन" की ओर से आने वाले खतरों को "निष्क्रिय" किया है।

मुनीर ने भारत पर आरोप लगाया कि वह "आतंकवाद का इस्तेमाल पाकिस्तान को अस्थिर करने के हथियार के रूप में कर रहा है," और चेतावनी दी कि "अफ़ग़ान भूमि का उपयोग करने वाले सभी प्रॉक्सी समूहों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा।" उनका स्पष्ट संकेत तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की ओर था।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए पाकिस्तान के "नैतिक और कूटनीतिक समर्थन" को दोहराया और कहा कि "मूल मुद्दों का समाधान अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार" किये जाने की जरुरत बताई।

पाकिस्तान को "शांतिप्रिय" देश बताते हुए, मुनीर ने कहा कि उसका अमेरिका और चीन सहित "मुख्य शक्तियों के साथ मज़बूत संबंध" हैं।

उन्होंने मलेशिया, नेपाल और श्रीलंका जैसे मित्र देशों के कैडेट्स सहित, स्नातक हो रहे सभी कैडेट्स को बधाई दी, और पाकिस्तान सैन्य अकादमी को "सैन्य उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय मित्रता का आधारस्तंभ" बताया।

इससे पहले आज, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट से ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को रवाना करते हुए कहा कि भारत की रक्षा क्षमता अब "एक शक्तिशाली निवारक क्षमता" का रुप ले चुकी है।

राजनाथ ने कहा, "पाकिस्तान की एक-एक इंच ज़मीन ब्रह्मोस की रेंज में है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो हुआ, वह तो बस एक झलक (ट्रेलर) थी। इसने पाकिस्तान को एहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान बना सकता है, तो वक्त आने पर... मुझे और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं, आप सब समझदार हैं।"

ब्रह्मोस को "भारत की बढ़ती ताकत का प्रतीक" बताते हुए, उन्होंने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि हमारे लिए जीत कोई एक घटना नहीं, बल्कि एक आदत बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने भारतीयों में "नया आत्मविश्वास" जगाया है और स्वदेशी हथियारों की प्रभावशीलता को विश्व के सामने प्रदर्शित किया है।

उन्होंने कहा, "अब इस आत्मविश्वास को बनाए रखना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है।" रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस-निर्माण की सफलता "भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता और रक्षा उत्पादन की क्षमता" को दर्शाती है।

नव उद्घाटित ब्रह्मोस यूनिट, जो अत्याधुनिक एकीकरण और परीक्षण सुविधाओं से सुसज्जित है, "उत्तर प्रदेश डिफेन्स इन्डस्ट्रियल कॉरिडोर" और भारत के रक्षा आत्मनिर्भरता लक्ष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

भारत द्वारा 7 मई को शुरू किये गये "ऑपरेशन सिंदूर" का उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले (जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे) के जवाब में की गई थी। दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत के बाद चार दिन तक चला यह संघर्ष 10 मई को समाप्त हुआ।

अंततोगत्वा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज़ेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक के अंत में ट्रंप ने अपना बयान बदल दिया और साफ कह दिया कि न तो टॉमाहॉक और न ही अन्य घातक हथियार यूक्रेन को दिए जाएँगे। उन्होंने यहाँ तक कहा कि यूक्रेन को समर्थन देने वाले यूरोपीय संघ के देशों को भी अपनी आपूर्तियां बढ़ाने की बात नहीं करनी चाहिए।

एक तरह से, अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद यूक्रेन, अपने से कहीं अधिक शक्तिशाली दुश्मन के साथ अपनी लड़ाई लड़ने के लिए अकेला रह गया। यह बात ज़ेलेंस्की से ज़्यादा स्पष्ट किसी और को नहीं हो सकती थी। परिणाम यूक्रेन के राष्ट्रपति के लिए बेहद निराशाजनक रहा, लेकिन उनके पास अमेरिकी रुख को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। बैठक के बाद मीडिया से बात करते समय ज़ेलेंस्की के स्वर में हताशा साफ झलक रही थी। ट्रंप ने एकदम "तीन सौ साठ डिग्री" का पलटाव कर लिया था, जो उनके लिए कोई असामान्य बात नहीं थी। ज़ेलेंस्की ने प्रेस से कहा कि अब सबसे ज़रूरी बात यह है कि लड़ाई तुरंत रोकी जाए और मौजूदा स्थिति पर ही मोर्चे को स्थिर किया जाए। ट्रंप पहले ही, गतिरोध को सुलझाने के तरीके पर रुसी दृष्टिकोण की तरफ झुक चुके थे और उन्होंने रुस के रुख को समर्थन भी दिया था। अपनी कठिन स्थिति समझते हुए ज़ेलेंस्की ने शिकायत की कि रूस पूरे देश पर कब्ज़ा करना चाहता है और यूक्रेन की स्वतंत्रता को मिटाना चाहता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि क्षेत्रीय सीमाओं का मुद्दा बहुत संवेदनशील है।

इस परिस्थिति में ज़ेलेंस्की के पास अब बस इतना ही विकल्प है कि वे इस बुरे सौदे से जितना हो सके, बेहतर परिणाम निकालने की कोशिश करें। अमेरिकी कूटनीति में "विश्वासघात" ही असली खेल है।

दिल्ली के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि दोपहर 1:20 बजे आग की सूचना मिली, जिसके बाद छह दमकल गाड़ियाँ तुरंत मौके पर भेजी गई। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट्स हाल ही में राज्यसभा सांसदों के लिए बिशंभर दास मार्ग पर बनाए गए हैं और इसमें कुछ लोग रहते भी हैं और घटना के समय भी फ्लैट्स में कुछ लोग थे। अधिकारियों द्वारा आग के कारण और नुकसान का आंकलन किए जाने की प्रक्रिया जारी है।

उत्तराखंड में ट्रैक्टर ट्रॉली व पिकअप की भिड़ंत, चार की मौत

नैनीताल, 18 अक्टूबर। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर के नानकमत्ता में दीपावली की छुट्टी पर घर जा रहे सात मजदूरों की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब नानकमत्ता डैम के पास

- **ट्रैक्टर ट्रॉली में 7 मजदूर सवार थे जो दीवाली पर घर जा रहे थे।**

बाइपास रोड पर ट्रैक्टर-ट्राली और मुर्गियों से भरी पिकअप की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में चार मजदूरों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार हसनपुर सम्भल (उत्तर प्रदेश) निवासी सात मजदूर - अखिलेश (26) पुत्र अंतराम, जयवीर सिंह (31) पुत्र श्यामलाल, गुरमुख (18) पुत्र राजेन्द्र, शिशपाल (22) पुत्र महावीर, प्रदीप उर्फ बाबू, जयवीर और पुरुषोत्तम - ठेकेदार के साथ सड़ासड़िया क्षेत्र में विद्युत लाइन का काम करते थे। शनिवार को सभी मजदूर दीपावली की छुट्टी मनाने ट्रैक्टर-ट्राली से अपने घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि नानकमत्ता डैम के पास बाइपास रोड से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने ट्राली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्राली सड़क पर पलट गई और ट्रैक्टर के दो टुकड़े हो गए।

आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर जीवनसाथी को गुजारा भत्ता नहीं: हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। हाईकोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर कोई जीवनसाथी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और स्वतंत्र है, तो उसे गुजारा भत्ता देने का कोई आधार नहीं बनता।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने एक मामले की सुनवाई करते हुए की। अदालत ने कहा कि गुजारा भत्ता सामाजिक न्याय का उपाय है, न कि दो आर्थिक रूप से सक्षम लोगों के बीच आय को बराबर करने का माध्यम। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 25 के तहत गुजारा भत्ता तभी दिया जा सकता है जब वादी को वास्तव में आर्थिक सहायता की जरूरत हो। अगर कोई व्यक्ति खुद अच्छा कमाता है और आर्थिक रूप से सक्षम है तो उसे भत्ता नहीं मिल सकता।

- **हाईकोर्ट का यह अहम फैसला भविष्य में बतौर मिसाल प्रयुक्त हो सकता है।**

यह फैसला एक मामले में आया जिसमें एक महिला ने अपने पति से तलाक के बाद स्थायी गुजारा भत्ता मांगा था। महिला स्वयं भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) की वरिष्ठ अधिकारी थीं और आर्थिक रूप से पूरी तरह आत्मनिर्भर थीं। उनके पति एक वकील थे। दंपती ने 2010 में शादी की थी, लेकिन 14 महीने बाद ही अलग हो गए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

PMCH HEALTH ADVISORS

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

NABH ACCREDITED H-2024-1409

मेवाड़ वासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

आपके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए PMCH लेकर आया है

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, जाँच, भर्ती एवं ऑपरेशन शिविर

अक्टूबर 20 2025 से नवम्बर 15 2025

समय: प्रात 9.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

- निःशुल्क परामर्श
- निःशुल्क रक्त एवं मूत्र की जाँच
- निःशुल्क वार्ड में भर्ती
- निःशुल्क ECG, X-Ray, इकोकार्डियोग्राफी मैमोग्राफी
- CT Scan, मात्र ₹1500/- MRI - मात्र ₹3000/-
- निःशुल्क सभी तरह के ऑपरेशन
- निःशुल्क बच्चेदानी का ऑपरेशन

बच्चों के इलाज के लिए निःशुल्क सुविधाएँ

निःशुल्क
- जन्म के बाद सभी तरह का इलाज
- बच्चों की गंभीर बीमारियों का इलाज
- सामान्य टीकाकरण • वेंटिलेटर की सुविधा
- एन.आई.सी.यू. एवं पी.आई.सी.यू. की सुविधा

निःशुल्क
14 वर्ष तक के बच्चों का सभी तरह की बीमारियों का उपचार

निःशुल्क
बच्चों के सभी तरह के ऑपरेशन एवं अन्य सुविधाएँ

सर्जरी के मरीजों के लिए निःशुल्क सुविधाएँ

निःशुल्क

लेजर व सामान्य ऑपरेशन
- बवासीर (पाईल्स) • फिशर • फिस्टुला
- पायलोनिडल साइनस
- हर्निया (फर्स्ट टाइम केस) • अपेंडिक्स एवं गठान
- गॉलब्लैडर (पित्त की थैली) की पथरी

अस्थि रोग के मरीजों के लिए निःशुल्क सुविधाएँ

अत्याधुनिक MIS तकनीक द्वारा निःशुल्क

घुटना प्रत्यारोपण | कुल्हा प्रत्यारोपण | स्पाइन सर्जरी

दूरबीन तकनीक (Arthroscopy) द्वारा घुटने एवं कंधों के निःशुल्क ऑपरेशन

जटिल ट्रॉमा सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधाएँ

पी.आई.सी.यू

एन.आई.सी.यू

ऑपरेशन थियेटर

वार्ड की सुविधा

IVF@₹70,000* इंजेक्शन सहित

*नियम व शर्तें लागू।

अंबेरी पुलिया से पेसिफिक हॉस्पिटल बेदला के लिए आने एवं जाने के लिए मरीजों को निःशुल्क वाहन की सुविधा

*नियम व शर्तें लागू। *दवाईयां, इम्प्लांट एवं कन्ज्यूमेबल अतिरिक्त

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना | RGHS राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC | जननी सुरक्षा योजना JSY

योजनाओं एवं सभी इंश्योरेंस एवं TPA के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

24/7 सुविधाऐं उपलब्ध

भीलों का बेदला, एन.एच.-27, प्रताप पुरा, अम्बेरी, उदयपुर - 313011 (राजस्थान) | फोन : 8690541110